NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 206 लखनऊ, गुरूवार 19 मार्च 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

भव्य योजना से मिलेगे लाखों रोजगार, हाईवे, हाइड्रो पावर और एमएसपी पर भी हुआ बड़ा फैसला - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी।

दिल्ली। सबसे बड़ा और सबसे असरदार फैसला है भारत औद्योगिक विकास योजना अर्थात भाव्य का शुभारंभ। तैंतीस हजार छह सौ साठ करोड़ रुपये के भारी भरकम निवेश से देशभर में सौ प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले लिये। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार के इन फैसलों की जानकारी दी। देखा जाये तो देश की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को जमीन पर उतारने के लिए मोदी सरकार ने एक साथ कई बड़े और निर्णायक फैसले लेकर यह साफ कर दिया है कि अब विकास केवल नारा नहीं बल्कि ठोस रणनीति बन चुका है। उद्योग, ऊर्जा, आधारभूत संरचना और किसानों के हितों को एक साथ साधने वाली यह श्रृंखला देश की दिशा बदलने की ताकत रखती है। सबसे बड़ा और सबसे असरदार फैसला है भारत औद्योगिक विकास योजना अर्थात भव्य का शुभारंभ। तैंतीस हजार छह सौ साठ करोड़ रुपये के भारी भरकम निवेश से देशभर में सौ प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। यह सिर्फ जमीन पर फैक्टरी लगाने की योजना नहीं है बल्कि उद्योगों के लिए तैयार मंच देने की क्रांति

है। अब निवेशक को अनुमति, जमीन, बिजली, पानी और ढांचे के लिए दर दर नहीं भटकना होगा। सब कुछ पहले से तैयार मिलेगा और उद्योग सीधे उत्पादन शुरू कर सकेगा। यह योजना राज्यों और निजी क्षेत्र की भागीदारी से लागू होगी और एक नई प्रतिस्पर्धा पैदा करेगी जिसमें वही राज्य आगे आएंगे जो सुधार और निवेश के लिए तैयार होंगे। एक करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक की सहायता के साथ तैयार कारखाना शेड, गोदाम, परीक्षण प्रयोगशाला और श्रमिक आवास जैसी सुविधाएं उद्योगों को नई ताकत देंगी। यह कदम न केवल रोजगार का विस्फोट करेगा बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित होगा। इसके अलावा, ऊर्जा के मोर्चे पर भी सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि अब विकास और पर्यावरण साथ साथ चलेंगे। छोटी जल विद्युत परियोजना के तहत दो हजार पांच सौ चौरासी करोड़ रुपये खर्च कर पंद्रह सौ मेगावाट क्षमता विकसित की जाएगी। खास बात यह है कि यह परियोजनाएं पहाड़ी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में लगेंगी जहां अब तक विकास की गति धीमी रही है।इन परियोजनाओं से न केवल स्वच्छ ऊर्जा मिलेगी बल्कि दूरदराज के इलाकों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। निर्माण के दौरान 51 लाख व्यक्ति दिवस रोजगार और लंबे समय तक संचालन में रोजगार का स्थायी स्रोत तैयार होगा। यह योजना बिना बड़े विस्थापन और पर्यावरणीय नुकसान के विकास का नया मॉडल पेश करती है। इसके साथ ही सड़क और संपर्क के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा दांव खेला है। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी से बहराइच तक चार लेन नियंत्रित राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है जिस पर लगभग छह हजार नौ सौ उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह परियोजना केवल सड़क नहीं बल्कि आर्थिक धमनी साबित होगी। तेज रफ्तार, कम समय, कम ईंधन खर्च और बेहतर सुरक्षा के साथ यह मार्ग नेपाल सीमा तक व्यापार और आवाजाही को नई गति देगा। रुपईडीहा भूमि बंदरगाह तक पहुंच आसान होगी और कृषि व्यापार, पर्यटन तथा सीमापार कारोबार में उछाल आएगा। यह परियोजना लाखों व्यक्ति दिवस रोजगार पैदा करेगी और पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई जान देगी।इसके अलावा, किसानों के लिए भी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। कपास किसानों को सीधी राहत देने के लिए सत्रह सौ अठारह करोड़ रुपये से अधिक की सहायता को मंजूरी दी गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था के तहत कपास निगम किसानों से सीधे खरीद करेगा ताकि बाजार में गिरते दाम के कारण किसानों को नुकसान न उठाना पड़े। हम आपको बता दें कि करीब साठ लाख किसानों और उनसे जुड़े करोड़ों लोगों की आजीविका कपास पर निर्भर है। ऐसे में यह फैसला केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि किसानों के भरोसे को मजबूत करने वाला कदम है। देश में ग्यारह प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों के एक सौ बावन जिलों में पांच सौ आठ खरीद केंद्रों के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि किसान को अपनी उपज बेचने के लिए परेशान न होना पड़े।इन सभी फैसलों को एक साथ देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल साफ नजर आती है। एक तरफ उद्योग को गति, दूसरी तरफ ऊर्जा को मजबूती, तीसरी तरफ सड़कों से जुड़ाव और चौथी तरफ किसानों को सुरक्षा।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने पूरे किये 9 साल,

क्या अगले साल विधानसभा चुनावों में लग पायेगी जीत की हैट्रिक?

संवाददाता।

लखनऊ। देखा जाये तो योगी के नेतृत्व में 9 वर्षों का कार्यकाल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक पड़ाव के रूप में देखा जा सकता है। इस अवधि में राज्य ने विकास, कानून–व्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन अनुभव किए हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने आज 9 वर्ष पूरे कर लिये। अब अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं देखना होगा कि योगी सरकार हैट्रिक लगा पाती है या नहीं लेकिन यह तो दिख ही रहा है कि योगी सरकार आत्मविश्वास से लबरेज नजर आ रही है। हम आपको बता दें कि अपने कार्यकाल के 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए प्रदेश में हुए विकास का श्रेय जनता को भी देते हुए कहा कि यह जनता जर्नादन के सहयोग का ही परिणाम है। देखा जाये तो योगी के नेतृत्व में 9 वर्षों का कार्यकाल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक पड़ाव के रूप में देखा जा सकता है। इस अवधि में राज्य ने विकास, कानून–व्यवस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन अनुभव किए हैं। विकास के मोर्चे पर प्रदेश में आधारभूत संरचना के विस्तार जैसे एक्सप्रेस–वे, हवाई अड्डों, औद्योगिक गलियारों और निवेश परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश को एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में गति दी है। निवेश आकर्षित करने के प्रयासों और रोजगार सृजन की पहल ने राज्य की आर्थिक छवि को सुदृढ़ किया है। इसके अलावा, कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में योगी सरकार ने सख्ती और जवाबदेही पर विशेष बल दिया है। अपराध पर नियंत्रण, माफिया के खिलाफ कार्रवाई और पुलिस व्यवस्था में सुधार के प्रयासों ने आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाया है। यह बदलाव प्रदेश की सामाजिक स्थिरता के लिए एक अहम आधार बना है। साथ ही, योगी सरकार ने सनातन संस्कृति और धार्मिक विरासत को भी प्रमुखता दी है। अयोध्या, काशी, मथुरा और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों के विकास और संरक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक अस्मिता को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि भारतीय परंपरा और आस्था को वैश्विक मंच पर भी नई पहचान मिली है। समग्र रूप से देखा जाये तो योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के संतुलित मॉडल की ओर बढ़ने का प्रयास किया है।जहां तक आज हुए कार्यक्रम की बात है तो आपको बता दें कि लोक भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने "नव निर्माण के 9 वर्ष" पुस्तक का विमोचन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के

सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। कानून–व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता था। प्रदेश में विकास के लिए कोई स्पष्ट विजन नहीं था, जिसके कारण युवा वर्ग निराश होकर या तो पलायन करता था या संघर्ष में उलझा रहता था। सीएम योगी ने कहा कि आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले 9 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए हैं। कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाने का काम किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साथ ही प्रदेश की आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने के प्रयास भी लगातार जारी हैं, जिससे उत्तर प्रदेश आज एक नई पहचान के साथ देश और दुनिया में उभर रहा है।मुख्यमंत्री ने बताया कि इन उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए 9 विषयोंपर आधारित 9 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जो बसंत नवरात्रि से प्रारंभ हो रहा है। इसका उद्देश्य है कि यह जन–चर्चा का विषय बने और समाज के सभी वर्ग, युवा, किसान, श्रमिक, महिलाएं और गरीब इसमें सहभागी बनें।

चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, सांसद प्रद्युत बोरदोलोई हुए बीजेपी में शामिल

एजेंसी।

असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा, क्योंकि लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने पार्टी में अपमान का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की उपस्थिति में भाजपा का दामन थाम लिया है। हिमंता सरमा ने इस घटना को भाजपा के लिए मजबूती बताते हुए दावा किया कि आने वाले दिनों में और भी कई कांग्रेसी नेता पार्टी में शामिल होंगे।असम के लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। विपक्षी कांग्रेस को करारा झटका देते हुए, प्रद्युत बोरदोलोई ने राज्य में विधानसभा चुनाव से महज 20 दिन पहले मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस से इस्तीफा

देकर भाजपा में शामिल होने पर सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कहा कि इसका कोई एक कारण नहीं है। मुझे घुटन महसूस हो रही थी और मेरा अपमान हो रहा था। बोरदोलोई ने कहा कि 13 मार्च को असम केंद्रीय चुनाव आयोग की बैठक हुई। मुझे पता चला कि इमरान मसूद जैसे सांप्रदायिक नेता ने कहा कि जिस उम्मीदवार के खिलाफ मैंने आपराधिक सांठगांठ के सबूत दिए थे, उसके बारे में मैं जो कुछ भी कह रहा था, वह सब झूठ और मनगढ़ंत था। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में इमरान मसूद ने यह कहने की धृष्टता की कि प्रद्युत बोरदोलोई ने जो कुछ भी कहा वह सब मनगढ़ंत था। वहां मौजूद एपीसीसी अध्यक्ष चुप रहे। इससे मुझे बहुत आहत हुआ।इस दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि नागांव से मौजूदा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल हो गए हैं...कांग्रेस पार्टी के साथ उनका रिश्ता 1975 से हैय भाजपा में उनके शामिल होने से भाजपा मजबूत होगी। हम सभी उनका पार्टी में स्वागत करते हैं। असम प्रदेश भाजपा केंद्रीय नेतृत्व को सिफारिश करेगी कि वे विधानसभा चुनाव लड़ें। आत्मसम्मान वाले व्यक्ति के लिए कांग्रेस पार्टी में रहने का कोई कारण नहीं है। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक कांग्रेस नेताओं को पार्टी में लाना है।

सरमा ने आगे कहा कि नवज्योति तालुकदार और अन्य कई लोग गुवाहाटी में भाजपा में शामिल होंगे। हम आज शाम उम्मीदवारों की अपनी पार्टी सूची को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। अन्य लोग अगले दो–तीन दिनों में असम में ही शामिल हो जाएंगे।

सुकांत मजूमदार का बड़ा दावा, भाबानीपुर में हार से खत्म होगा ममता बनर्जी का राजनिति कैरियर

एजेंसी।

कलकता। सुकुंता मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी में नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का साहस नहीं था और उन्होंने कहा कि भाबानीपुर से उनकी हार उनके राजनीतिक सफर का अंत होगी। उन्होंने आगे कहा कि ममता बनर्जी पिछली बार नंदीग्राम से हार गई थीं, इसलिए इस बार भी उनमें वहां से चुनाव लड़ने का साहस नहीं था। केंद्रीय मंत्री सुकुंता मजूमदार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव न लड़ने के लिए घेरा, जहां से वह 2021 में भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से हार गई थीं। सुकुंता मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी में नंदीग्राम से

चुनाव लड़ने का साहस नहीं था और उन्होंने कहा कि भाबानीपुर से उनकी हार उनके राजनीतिक सफर का अंत होगी। उन्होंने आगे कहा कि ममता बनर्जी पिछली बार नंदीग्राम से हार गई थीं, इसलिए इस बार भी उनमें वहां से चुनाव लड़ने का साहस नहीं था। वह वहां भी हार जाएंगी... इस बार ममता बनर्जी की हार उनके राजनीतिक सफर का अंत होगी... इस बार जनता उनकी पार्टी का पूरी तरह सफाया करने वाली है।ममता बनर्जी 2021 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम सीट सुवेंदु अधिकारी से हार गईं, लेकिन बाद में भवानीपुर उपचुनाव में प्रियंका तिबरेवाल के खिलाफ जीत हासिल की। इस बार पश्चिम बंगाल चुनावों में भवानीपुर सीट के लिए भाजपा के सुवेंदु अधिकारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच मुकाबला होगा, जबकि अधिकारी नंदीग्राम सीट पर भी अपना कब्जा बनाए रखने की कोशिश करेंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद सामिक भट्टाचार्य ने सुवेंदु अधिकारी की जीत पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने इस बार नंदीग्राम सीट क्यों छोड़ी?... सुवेंदु अधिकारी इस बार भी भवानीपुर से 25,000 वोटों के अंतर से जीतेंगे।

लेफ्टिनेंट ज्ञान सिंह बिष्ट सुभारती कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के सुझावों पर एआई युग की मीडिया शिक्षा में सुधार पर मंथन

डॉ. अतुल कृष्ण एवं प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन के मार्गदर्शन में उच्च मानदंड स्थापित करने की ओर अग्रसर सुभारती पत्रकारिता संस्थान

विजडम इंडिया विशेष संवाददाता।

देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में लोक भवन में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के मीडिया एवं जनसंचार विभागों के विभागाध्यक्षों, डीन एवं प्रमुख मीडिया विशेषज्ञों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में "एआई युग और डिजिटल सूचना पारिस्थितिकी तंत्र में मीडिया शिक्षारू चुनौतियाँ, नैतिकता और अवसर" विषय पर व्यापक मंथन किया गया।

बैठक में रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के अंतर्गत एलजीएसबी सुभारती कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के निदेशक प्रो. शील शुक्ला ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार रखे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि एआई और डिजिटल मीडिया ने सूचना के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है, ऐसे में मीडिया शिक्षा को समयानुकूल बनाना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया का उद्देश्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए।

बैठक के दौरान प्रो. शील शुक्ला ने पत्रकारिता पाठ्यक्रम में क्राइसिस एवं डिजास्टर कम्युनिकेशन को शामिल करने तथा पत्रकारिता में प्रवेश हेतु एक कॉमन एंट्रेंस परीक्षा लागू करने का महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने अपने संबोधन में सुभारती समूह के अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. हिमांशु ऐरन के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में सुभारती विश्वविद्यालय का पत्रकारिता संस्थान शीघ्र ही उच्च कोटि के मानदंड स्थापित करेगा।

इस अवसर पर यह भी उल्लेख किया गया कि सुभारती विश्वविद्यालय के अंतर्गत पत्रकारिता संस्थान का नाम शहीद लेफ्टिनेंट ज्ञान सिंह बिष्ट के सम्मान में "लेफ्टिनेंट ज्ञान सिंह बिष्ट सुभारती कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन" रखा गया है, जो संस्थान के राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाता है।

विशेष रूप से 17 मार्च, जो लेफ्टिनेंट ज्ञान सिंह बिष्ट की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) के रूप में मनाया जाता है, के अवसर पर प्रो. शील शुक्ला ने सुभारती विश्वविद्यालय की ओर से राज्यपाल को संस्थान का एक स्मृति–पोर्ट्रेट भेंट किया।

बैठक में दून विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस विमर्श में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने एआई के बढ़ते प्रभाव, उसके जिम्मेदार उपयोग, मीडिया नैतिकता, फैक्ट–चेकिंग व्यवस्था और व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दिया।

बैठक के अंत में राज्यपाल ने ऐसे संवादों को नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही, ताकि मीडिया शिक्षा को नई दिशा मिल सके और सकारात्मक परिणाम सामने आ सकें।

इसी क्रम में प्रो. शील शुक्ला को "राष्ट्रीय मीडिया में आवश्यक बदलाव" विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के नेतृत्व की जिम्मेदारी भी सौंपी गई, जिसे मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नवनिर्माण के नौ वर्ष सेवा, विकास और सुशासन की दिशा में बढ़ा उत्तर प्रदेश -पंकज चौधरी

लखनऊ (आरएनएस),पंकज चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, ने लोक भवन में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित "नवनिर्माण के नौ वर्ष" विमोचन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को आगामी नवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इसे शुभ और प्रेरणादायक संयोग बताया।उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में नौ अंक को पूर्णता और सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। प्रदेश की जनता ने नौ वर्ष पहले परिवारवाद, तुष्टिकरण और दंगाराज की राजनीति को नकारते हुए सेवा, विकास और सुशासन के मॉडल को चुना। उन्होंने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' के स्थान पर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसे विकासोन्मुख मॉडल को अपनाने को जनता का ऐतिहासिक निर्णय बताया।पंकज चौधरी ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में समग्र विकास और गरीब कल्याण की नई सोच को गति मिली, जिसका सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुआ। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनने के बाद प्रदेश में विकास का नया अध्याय शुरू हुआ, जिसे 2022 में जनता ने पुनः प्रचंड बहुमत देकर सुदृढ़ किया।उन्होंने कहा कि कानून—व्यवस्था में सुधार और मजबूत आधारभूत संरचना के चलते उत्तर प्रदेश आज निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, चित्रकूट और अलीगढ़ जैसे शहर उभरकर सामने आए हैं, जहां अत्याधुनिक उत्पादों का निर्माण हो रहा है।स्टार्टअप इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 2017 में जहां लगभग 200 स्टार्टअप थे, वहीं अब उनकी संख्या 20 हजार से अधिक हो चुकी है। सेमीकंडक्टर पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, आईटी पार्क, टेक्सटाइल पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी परियोजनाएं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से 75 जिलों के उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। देश के कुल एक्सप्रेस—वे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की लगभग 55 प्रतिशत भागीदारी है। वर्तमान में 7 एक्सप्रेस—वे संचालित हैं, 3 निर्माणाधीन हैं और 12 प्रस्तावित हैं। जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट एवं एयर कार्गो हब विकसित किया जा रहा है, जबकि 16 एयरपोर्ट संचालित हैं और कई अन्य शीघ्र शुरू होंगे।उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। बीते वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। युवाओं को 8.50 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां और 3.75 लाख से अधिक संविदा नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि निजी क्षेत्र और एमएसएमई में 2 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। 50 लाख से अधिक युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देकर डिजिटल रूप से सशक्त बनाया गया है।महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कन्या सुमंगला योजना, मातृ वंदना योजना और आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक—आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। वहीं किसानों के हित में गन्ना किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है तथा पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत करोड़ों किसानों को लाभ मिला है।

प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी, मची अफरा-तफरी

मेल भेजकर कहा- पासपोर्ट आफिस में भी ब्लास्ट होगा, 19 साइनाइड गैस से भरे बम रखे हे

प्रयागराज। प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल करने वाले ने लिखा कि दोपहर 2.10 बजे ब्लास्ट होगा। इसकी जानकारी मिलते ही डाकघर मे अफरा—तफरी मच गई। लोग जान बचाकर आफिस से बाहर भाग निकले। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। मेल करने वाले ने लिखा कि आपके पासपोर्ट, डाक परिसर और वॉशरूम में 19 सायनाइड गैस से भरे बम रखे गए हैं। जो दोपहर 2रू10 बजे फटेंगे। सभी को तुरंत बाहर निकालें और नाक और मुंह ढक लें।ब्लास्ट की धमकी की बात जैसे ही फैली डाकघर मे अफरा—तफरी मच गई। वहां मौजूद लोग, कर्मचारी इमारत से तेजी से निकलने लगे। मामले की सूचना आला अफसरों तक पहुंची तो सभी सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं।पोस्टमास्टर जनरल राजीव उमराव ने बताया कि आज सुबह करीब पौने आठ बजे सौरभ विश्वास नाम के एक व्यक्ति द्वारा हॉटमेल से आरपीओ को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें बम होने की धमकी दी गई थी। वह ईमेल सर्किल ऑफिस लखनऊ पहुंचा, जहां से व्हाट्सएप के माध्यम से हमें इसकी सूचना मिली। हमने बिना देरी किए पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबी जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। यह एक अफवाह कॉल थी।उन्होंने अनुरोध किया है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें। पुलिस अब उस ईमेल आईडी और भेजने वाले श्सौरभ विश्वासश की तलाश में जुट गई है ताकि इस तरह की दहशत फैलाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।इस बाबत इंस्पेक्टर सिविल लाइंस राम आसरे ने बताया कि सूचना मिलते ही थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। जांच शुरू करते ही डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ते को सूचना देकर बुलाया गया।

डिजिटल युग की चुनौतियों और संभावनाओं पर बीबीएयू में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

लखनऊ (आरएनएस),बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को योग विभाग एवं योग वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 'डिजिटल युग की चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।सेमिनार में मुख्य रूप से शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही, योग विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह, पोलैंड के यूजेनियस पियासेकी शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय की कटारजीना मीक्जनिक तथा आयोजन सचिव डॉ. नरेंद्र सिंह मंचासीन रहे। वहीं दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्रो. सुषमा पांडेय ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. दीपेश्वर सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तभी सार्थक है जब वह ज्ञानवृद्धि में सहायक बने। उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक के अंधाधुंध उपयोग से अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने 'प्रज्ञा, शील और करुणा' के सिद्धांतों को अपनाने पर बल देते हुए 'पंचकोश' के माध्यम से मानव व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर डिजिटल तकनीक के प्रभाव को विस्तार से समझाया।प्रो. राज शरण शाही ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल लक्ष्य प्राप्ति नहीं बल्कि लोक कल्याण होना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि डिजिटल तकनीकों और एआई पर बढ़ती निर्भरता के कारण युवाओं की विचारशीलता और संवेदनशीलता प्रभावित हो रही है। उन्होंने तकनीक को 'सहायक' के रूप में उपयोग करने की सलाह दी।प्रो. सुषमा पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। उन्होंने इसके पीछे मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों को जिम्मेदार बताया।डॉ. दीपेश्वर सिंह ने योग की महत्ता बताते हुए कहा कि योग मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने में सहायक है।सेमिनार के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान सत्र में डॉ. नगमा जावेद, कटारजीना मीक्जनिक, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के डॉ. रामकिशोर तथा डॉ. नवीन जी एच ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य, योग और संतुलित जीवनशैली की आवश्यकता पर जोर दिया।अंत में आयोजन सचिव डॉ. नरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेटे के सामने पत्नी की धारदार हथियार से हत्या

पहले गला दबाया, फिर हथियार से मारा, आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। सराय इनायत थाना क्षेत्र के वारी ग्रामसभा के पट्टी छींट गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। पति ने धारदार हथियार से बेटे के सामने ही पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सराय इनायत थाना क्षेत्र के गांव पट्टी छीट गांव में शैलेश कुमार पत्नी संगीता के साथ रहता था। दोनों की 13 साल पहले शादी हुई थी। उसके दो बेटे शिवम (12 वर्ष) और सिद्धार्थ (6 वर्ष) हैं। संगीता देवी फूलपुर के शेखपुर मोहल्ले की रहने वाली थी और तीन बहनों में सबसे छोटी थी। मंगलवार देर रात पति—पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो पति ने पहले पत्नी का गला दबाया। इसके बाद धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। कमरे में चारों ओर खून के छींटे बिखर गए।मम्मी—पापा की आवाज सुनकर कमरे में सो रहे बच्चे जाग गए। बच्चों ने देखा कि पापा मम्मी का गला दबा रहे थे। दोनों बच्चे चिल्लाए तो पिता ने उन्हें डांटकर चुप करा दिया और सुला दिया। आज बुधवार सुबह करीब 5 बजे पड़ोसन अनुपमा राव खेत में काम के लिए संगीता को बुलाने पहुंची। काफी आवाज लगाने के बाद भी कोई बाहर नहीं निकला। कुछ देर बाद बच्चे रोते—चिल्लाते हुए घर से बाहर आए। अनुपमा अंदर गईं तो देखा संगीता जमीन पर पड़ी थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे और जीभ बाहर निकली थी।शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही 112 पुलिस और सराय इनायत थाने की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुणावत ने बताया कि पुलिस टीम, डॉग स्क्वॉड और फील्ड यूनिट ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। प्रारंभिक जांच में महिला के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। हालांकि, मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी पति शैलेश कुमार के खिलाफ सराय इनायत थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

लोदीपुर धाम का होगा कायाकल्प, 1.67 करोड़ से विकसित होगा श्री जम्भेश्वर मंदिर

लखनऊ/मुरादाबाद, (आरएनएस) उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत लोदीपुर धाम स्थित श्री जम्भेश्वर मंदिर के विकास को नई गति दी गई है। मंदिर परिसर के पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण पर 1.67 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे इसे एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत सत्संग भवन, यज्ञशाला, विश्राम गृह, रसोई, आधुनिक शौचालय, भव्य प्रवेश द्वार और ढका हुआ परिक्रमा मार्ग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि बिश्नोई समाज की समृद्ध विरासत के संरक्षण में भी सहायक होगी।इसी बीच, लोदीपुर धाम में आयोजित चौत्र अमावस्या मेला श्रद्धा और

उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्री गुरु जम्भेश्वर धाम सेवा समिति के अनुसार इस वर्ष मेले में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा—अर्चना के साथ पर्यावरण संरक्षण और सदाचार का संकल्प भी लिया।करीब 200 वर्ष पुराना श्री जम्भेश्वर मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। गुरु जम्भेश्वर, जिन्हें जांभोजी के नाम से भी जाना जाता है, बिश्नोई संप्रदाय के संस्थापक थे और प्रकृति संरक्षण के लिए उनके सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उनका जन्म 1451 में राजस्थान के पिपासर गांव में हुआ था। श्रद्धालु उन्हें भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं।मंदिर परिसर में स्थित पवित्र खेजड़ी का पेड़ आज भी आस्था का प्रतीक है, जिसे गुरु जम्भेश्वर के आगमन के समय लगाया गया था। ऐतिहासिक रूप से 1485 के भीषण अकाल के दौरान उन्होंने समाज को सहयोग और नैतिक जीवन का संदेश दिया तथा 29 नियमों के आधार पर बिश्नोई संप्रदाय की स्थापना की।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बिश्नोई समाज पर्यावरण संरक्षण के लिए देशभर में जाना जाता है और उनकी परंपरा प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन विकास और बेहतर कनेक्टिविटी के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। वर्ष 2025 में मुरादाबाद में 72.04 लाख पर्यटकों का आगमन हुआ, जो इस दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

मस्जिद रौशन अली में 9 बजे होगी ईद-उल-फित्र की नमाज

प्रयागराज। आज सुबह वारसी कमेटी (रजि०) उ०प्र० सरकार इलाहाबाद की विशेष बैठक वारसी कमेटी के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी (मुतवल्ली) की अध्यक्षता में कमेटी कार्यालय में की गई। इस बैठक में वारसी कमेटी के अध्यक्ष ने ईद उल फित्र का चाँद दिखने की शक्ल में 19 मार्च (बृस्पतिवार) या 20 मार्च (शुक्रवार) को कमेटी सभी पदाधिकारीगण व सदस्यों एवं सभी नगरवासियों एवं देशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी।अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी ने बताया कि रमजानुल मुबारक का महीना खुदा के बन्दों का ईदुल फित्र रोजेदारों को तोहफा है। सभी लोग ईद की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की खुशी की मुबारकबाद देते हैं और खुदा का शुक्र अदा करते हैं कि उसने रमजान का एक महीना इबादत का इनाम ईदुल फित्र हमारे लिये नमाजे ईद है।अध्यक्ष ने यह बताया कि दरगाह व मस्जिद रौशन अली शाह में ईदुल फित्र की नमाज सुबह ठीक 9 बजे होगी। अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी ने नगर निगम से गुजारिश की है कि वह शहर की ईदगाह और तमाम मस्जिदों, गलियों और सड़कों की साफ—सफाई पर विशेष ध्यान दें। साथ ही साथ अध्यक्ष ने कहा कि नमाज के बाद तमाम शहर की गलियों चौराहों और सड़कों पर भीड़ जमा होती है। अतः शासन प्रशासन से गुजारिश है कि वह शहर की सुरक्षा व व्यवस्था बनाये रखने में पूर्ण सहयोग दें।इस बैठक में कमेटी के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यगण इस्लाम उल्ला वारसी, अरूण कुमार कुशवाहा, इकबाल अहमद वारसी, संगम मिश्रा वारसी, गुलाम निजामउद्दीन वारसी (अयान), खुशहाल सिंह वारसी, मो० नसीम वारसी, राधा कनौजिया वारसी, गौसिया हबीबी, अनामिका शर्मा वारसी, इन्तिशा फात्मा वारसी, अनीता साहू वारसी, अनीसा बेगम वारसी, मो० निजामउद्दीन वारसी (शेरू), शनिपाल वारसी, अबसार अहमद वारसी (पप्पू), अमित कुमार वारसी (एडवोकेट), शेष कुमार जायसवाल वारसी, बृजेश केसरवानी वारसी (एडवोकेट), मो० आसिफ वारसी (सोनू) आदि शामिल रहे।

शिक्षक के बंद मकान में लाखों की चोरी

चोरों ने ताला तोड़कर जेवरात- नकदी उड़ाए

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के महुआरी में चोरों ने मंगलवार की देर रात शिक्षक के बंद मकान का ताला तोड़कर पूरे घर को खंगाल डाला। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी के लॉकर को तोड़कर लाखों के जेवरात और लगभग 30 हजार रुपए और लाखों के जेवरात उड़ा दिए।सुबह होने पर जब चोरी की जानकारी हुई तो घर के अन्य सदस्यों और पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की और आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला है। घटना की तहरीर थाने पर दी गई है। पुलिस घटना आकी जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के महुआरी के रहने वाले धर्मेंद्र सिंह और अनिकेत सिंह पुत्र राजवंत सिंह दो भाई है। धर्मेंद्र सिंह हाईकोर्ट में अधिवक्ता है। जबकि अनिकेत सिंह पीलीभीत में शिक्षक है। दोनों भाइयों की मकान एक पास ही बना हुआ है। अनिकेत की पत्नी भी टीचर है। जो इन दिनों अपने मायके गई हुई है।अनिकेत की मां गायत्री देवी बड़े बेटे के घर पर मंगलवार को रात में चली गई। मकान में ताला बंद कर दिया। उस दौरान तीन युवक पहुंचकर बंद मकान का ताला तोड़ दिया और घर के अंदर घुसकर पूरे मकान को खंगाल डाला। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी सहित सभी दराज खोल दिया और एक जंजीर, छागल, पायल, समेत 30 हजार कैश उड़ा ले गए। सुबह जब मां गायत्री देवी वापस अपने घर लौटी तो गेट का दोनों ताला टूटा हुआ था। उन्होंने अंडे जाकर देखा तो कमरे में सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरी की सूचना उन्होंने तत्काल बड़े बेटे और छोटे बेटे को दी। इसके बाद बड़े बेटे ने पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी।

गोमतीनगर में चोरी का बड़ा खुलासा शातिर चोर गिरफ्तार, बाल अपचारी संरक्षण मेंय लाखों के आभूषण बरामद

लखनऊ (आरएनएस),राजधानी के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की कई घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। क्राइम सर्विलांस टीम पूर्वी जोन और गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, 6 मार्च और 11 मार्च को विरामखण्ड निवासी पीड़ितों द्वारा दर्ज कराए गए चोरी के मामलों की जांच के दौरान विशेष टीम गठित की गई थी। जांच के क्रम में सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 18 मार्च को मुखबिर की सूचना पर शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संतोष कश्यप उर्फ राहुल कश्यप (उम्र 19 वर्ष), निवासी जनपद बाराबंकी, हाल पता गाजीपुर थाना क्षेत्र, लखनऊ के रूप में हुई है। इसके साथ ही एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 31 ग्राम पीली धातु (सोने के आभूषण) और लगभग 2 किलो सफेद धातु (चांदी के आभूषण) बरामद किए हैं। बरामद सामान में चौन, अंगूठी, झुमके, कंगन, पायल, कमरबंद, सिक्के सहित अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। इसके अलावा 2900 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ रात के समय पॉश इलाकों में घूमते थे और जिन घरों में ताला लगा मिलता था, वहां गेट के ऊपर से चढ़कर अंदर घुसते और कीमती सामान चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी विभूतिखण्ड और अन्य थाना क्षेत्रों में हुई कई चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं।अभियुक्त के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे उसके शातिर अपराधी होने की पुष्टि होती है। बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों मेंअतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आरोपियोंके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया सफलता मिली है।

अब नहीं कराना होगा फूड लाइसेंस का नवीनीकरण

प्रयागराज। फूड लाइसेंस का नवीनीकरण अब नहीं कराना होगा। सरकार के इस निर्णय का सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल की ओर से स्वागत करते हुए सिविल लाइंस उद्योग महिला व्यापार मंडल ने खुशी जताई है।सिविल लाइंस उद्योग महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष एवं खाद्य कारोबारी स्वाती निरखी ने बताया कि फूड कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग से फूड रजिस्ट्रेशन लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है। जिसका प्रतिवर्ष नवीनीकरण कराए जाने का प्रावधान है जो एक वर्ष से वर्ष के लिए कराया जा सकता है। किंतु बहुत बार व्यापारी के ध्यान से उतर जाने पर एक निश्चित अवधि के बाद लाइसेंस रद्द हो जाता था और उसे नया लाइसेंस लेना पड़ता था। जिसके लिए पुनः एक जटिल प्रक्रिया से गुजरना होता था। अध्यक्ष स्वाती निरखी ने बताया कि 10 मार्च को एक गजट के माध्यम से सरकार ने अब नवीनीकरण को समाप्त कर दिया है अर्थात अब लाइसेंस अथवा रजिस्ट्रेशन लेने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं कराना होगा।व्यापारी नेत्री स्वाती निरखी ने आगे बताया कि सरकार ने राहत देते हुए रजिस्ट्रेशन जो कि पूर्व में सालाना 12 लाख टर्न ओवर तक के कारोबारी पर लागू होता था, उसे बढ़ाकर 1.5 करोड़ कर दिया गया है। तथा 5 करोड़ सालाना टर्नओवर के व्यापारी को राज्य से और 5 करोड़ से अधिक टर्नओवर के व्यापारी को केंद्र से लाइसेंस लेना होता था।

गोमती नदी में मिला अधेड़ का शव

जयसिंहपुरध्सुल्तानपुर (आरएनएस)। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के बहाउद्दीनपुर गांव स्थित निषाद बस्ती के पास बुधवार भोर गोमती नदी में एक अधेड़ का शव उतराता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। नदी किनारे दैनिक क्रिया के लिए गए ग्रामीणों ने शव देखा तो दंग रह गए। सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची गोसाईंगंज पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, शव की पहचान आधार कार्ड के आधार पर कोतवाली नगर क्षेत्र के पार्किसगंज निवासी शीतला प्रसाद (51) पुत्र मोतीलाल कसौधन के रूप में हुई है। मृतक की जेब से 250 रुपये नकद, पैन कार्ड, आधार कार्ड, रुमाल, दवा, डायरी सहित अन्य कागजात बरामद हुए हैं। वह धारीदार शर्ट, बनियान और काला पैंट पहने हुए था। दाहिने हाथ की दूसरी उंगली में अंगूठी भी मिली है। घटना की जानकारी मिलने पर एडिशनल एसपी अखंड प्रताप सिंह, सीओ जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी और थाना प्रभारी रामआशीष उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

‘राष्ट्रपति ने परोसी अक्षय पात्र की 5 अरबवीं थाली’

पौष्टिक भोजन देश की मानव पूंजी में एक महत्वपूर्ण निवेश - द्रौपदी मुर्मु

दिल्ली
अक्षय पात्र फाउंडेशन ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 5 अरबवीं थाली परोसने का मील का पत्थर पार किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान विशिष्ट अतिथि के

रूप में शामिल हुए।
इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक–चेयरमैन मधु पंडित दास तथा वाइस चेयरमैन चंचलापति दास सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विषय ‘सुपोषित और सुशिक्षित भारत से विकसित भारत’ रखा गया, जो बच्चों के पोषण एवं शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को रेखांकित करता है। समारोह में ट्रस्टी बोर्ड के सदस्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, नीति–निर्माता, शिक्षाविद, परोपकारी संस्थाएं तथा बड़ी संख्या में हितधारक उपस्थित रहे। साथ ही, फाउंडेशन के पूर्व लाभार्थी, छात्र, अभिभावक एवं शिक्षक भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने। राष्ट्रपति मुर्मू ने बच्चों को भोजन परोसकर तथा उपहार प्रदान कर इस उपलब्धि का उत्सव मनाया।
अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत बच्चों को दिया जाने वाला पौष्टिक भोजन देश की मानव पूंजी में एक महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने बच्चों को भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का आधार बताते हुए कहा कि यही वर्ग भविष्य में राष्ट्र की प्रगति को गति देगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस योजना से स्कूलों में नामांकन, उपस्थिति और सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने वक्तव्य में ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से प्रारंभ हुई यह पहल आज एक व्यापक जनआंदोलन बन चुकी है। उन्होंने फाउंडेशन के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 25,000 से अधिक स्कूलों में प्रतिदिन 23.5 लाख बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना एक असाधारण उपलब्धि है।
उन्होंने आगे कहा कि जब तक देश के बच्चे और युवा सुपोषित नहीं होंगे, तब तक भारत अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पहल वैश्विक मानवता के कल्याण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण योगदान है।
इस अवसर पर मधु पंडित दास ने कहा कि 25 वर्षों की इस सेवा यात्रा में 5 अरब भोजन परोसना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उस संकल्प का पुनःस्मरण है कि कोई भी बच्चा भूखा न रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पोषण योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि ये पहलें बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।
वाइस चेयरमैन चंचलापति दास ने कहा कि यह उपलब्धि सरकार, दाताओं, साझेदारों और समर्पित कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सार्वजनिक–निजी भागीदारी (च्च्) मॉडल को इस सफलता का आधार बताते हुए भविष्य में और अधिक बच्चों तक पहुंचने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।
वर्ष 2000 में स्थापित द अक्षय पात्र फाउंडेशन ने अपनी यात्रा की शुरुआत बेंगलुरु से की थी। प्रारंभ में कर्नाटक सरकार के साथ ‘अक्षरा दसोहा’ मध्याह्न भोजन योजना के तहत कार्य करते हुए, संगठन ने धीरे–धीरे अपने संचालन का विस्तार देशभर में किया। आज यह विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ–चालित स्कूल भोजन कार्यक्रम बन चुका है।
फाउंडेशन ने मात्र 12 वर्षों में 1 अरब भोजन परोसने का लक्ष्य हासिल किया। वर्ष 2012 में एन. आर. नारायण मूर्ति ने 1 अरबवीं थाली परोसी, जबकि 2016 में प्रणब मुखर्जी ने 2 अरबवीं थाली परोसकर इस उपलब्धि को आगे बढ़ाया। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वृंदावन में 3 अरबवीं थाली परोसी, और 2024 में न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 4 अरब भोजन परोसने का उत्सव मनाया गया।
वर्तमान में फाउंडेशन देशभर में 78 अत्याधुनिक रसोईघरों के माध्यम से प्रतिदिन 23.5 लाख बच्चों को ताजा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहा है, और वर्ष 2030 तक इस संख्या को 30 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
स्कूल भोजन कार्यक्रम से आगे बढ़ते हुए, फाउंडेशन शिक्षा, पोषण और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में व्यापक योगदान दे रहा है। तकनीक–सक्षम एवं स्वचालित रसोई नेटवर्क के माध्यम से बड़े पैमाने पर सुरक्षित, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना इसकी प्रमुख विशेषता है।
यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल एक संगठन की सफलता का प्रतीक है, बल्कि एक ऐसे भारत की दिशा में बढ़ता कदम है जहां कोई भी बच्चा भूख के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

मंत्री बोले- देश में 45 दिन का ईंधन स्टाक सुरक्षित-सतीश शर्मा ने कहा गैस किल्लत अफवाह, कालाबाजारियों पर होगी कार्रवाई

बाराबंकी रूखाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने जिले में गहराते गैस संकट को ‘साजिश’ करार दिया है। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और कुछ लोग जानबूझकर जनता को भड़काने का काम कर रहे हैं।बुधवार को कलेक्ट्रेट में मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के पास 45 दिनों का डीजल, पेट्रोल और गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। उन्होंने पिछली यूपीए सरकार के समय केवल 15 से 20 दिनों के स्टॉक का जिक्र करते हुए वर्तमान व्यवस्था को बेहतर बताया।मंत्री ने कहा कि भारत अब 40 से अधिक देशों से ईंधन आयात करता है, जिससे आपूर्ति बाधित होने की संभावना काफी कम हो गई है।जिले में गैस एजेंसियों पर लंबी कतारों और उपभोक्ताओं की परेशानियों पर पूछे गए सवाल पर

उन्होंने कहा कि यह एक सोची–समझी साजिश है। उनके अनुसार कुछ असामाजिक तत्व और राजनीतिक लोग भ्रम फैलाकर लोगों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसा रहे हैं।उन्होंने चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन ऐसे लोगों और कालाबाजारियों पर कड़ी नजर रखे हुए है। जहां भी अवैध स्टॉक या कालाबाजारी मिलेगी, वहां एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह प्रेस वार्ता प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित की गई थी, जिसमें मंत्री ने सरकार की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रस्तुत किया

डाकघर में बम की सूचना से हड़कंप

जांच में निकली अफवाह अधिकारियों ने ली राहत की सांस

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले के प्रधान डाकघर में बुधवार दोपहर बम रखे होने की सूचना से अचानक हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और मौके पर बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड को बुलाकर सघन जांच अभियान चलाया गया। जानकारी के अनुसार, करीब 11 बजे डाकघर में बम की धमकी भरा मेल मिलने के बाद डाकघर परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। इस दौरान पासपोर्ट सेवा केंद्र के कर्मचारियों समेत अन्य स्टाफ को भी बाहर निकाल दिया गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर डाकघर के अंदर और बाहर गहन तलाशी ली।

बाइक सवार युवक को रोडवेज बस ने मारी टक्कर, युवक की हुई मौत

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मुरली नहर के समीप वाराणसी टू लखनऊ हाईवे पर हुई घटना

लंभुआध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। रोडवेज बस में बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची एंबुलेंस 108 की

मदद से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया गया जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करने में लगी हुई है। मामला लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मुरली नहर के समीप वाराणसी टू लखनऊ हाईवे पर हुई, जहां वाराणसी से लखनऊ की तरफ जा रही रोडवेज बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया गया। जहां मृतक किशोर को कब्जे में लेकर पुलिस विधि कार्रवाई कर रही है। युवक की पहचान रमेश मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा निवासी ग्राम सैतापुर सराय थाना लंभुआ जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई।

दवाओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ यूपीएमएसआरए का प्रदर्शन, एनपीपीए को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर। दवाओं की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर आज उत्तर प्रदेश मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शाखा अध्यक्ष सर्वेश अग्रहरि के नेतृत्व में नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के चेयरमैन को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट कर्म सिंह के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि हाल के समय में आवश्यक एवं जीवनरक्षक दवाओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि दवा कंपनियां मूल्य नियंत्रण के नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से कीमतें बढ़ा रही हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि दवाओं के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता लाई जाए, अनियंत्रित मूल्य वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा आवश्यक दवाओं को सख्ती से मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा जाए। इस अवसर पर संदीप कुमार तिवारी (केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य) ने कहा कि दवाओं की कीमतों में इस प्रकार की अनियंत्रित वृद्धि सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य के अधिकार पर हमला है। सरकार और एनपीपीए को इस पर तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए, अन्यथा संगठन व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

करोडो के विकास कार्यो को लेकर नगर पंचायत में हुई बोर्ड बैठक, भारी वाहनों के नो एंट्री पर भी हुई चचा

(बरसाना) नगर पंचायत बरसाना में बोर्ड बैठक संपन्न हुई जिसमे सीमा विस्तृत गावों के विकास कार्यों के साथ साथ बालिका महाविद्यालय जैसे अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुई द्य
बुधवार को नगर पंचायत बरसाना में चेयरमेन श्रीमती विजय देवी , अधिशाषी अधिकारी डॉ कल्पना बाजपेयी ने बोर्ड के सभासदों के साथ बैठक की जिसमे सीमा विस्तारित के अंतर्गत आने वाले गांवों के विकास कार्यों पर चर्चा की द्य सीमा विस्तृत गावों में पेयजल और सड़क के करोडो के विकास कार्य तैयार किये गये जिससे इन गांवों की दशा बदलेगी द्य चेयरमेन प्रतिनिधि पदम् फौजी ने बालिका महाविद्यालय की बात रखते हुए अधिशाषी अधिकारी से अनुरोध किया की इस प्रस्ताव को जल्द से जल्द पास कराया जाये जिससे आस पास के गावों की बालिकाओ को दूर दराज न जाना पड़े और साथ ही चौना के थोक से मंदिर जाने के लिए एक वैकल्पिक सीढियों के लिए भी कहा जिससे बरसना में आयोजित होने वाले दोनों उत्सवो में स्थानियों लोगों को दिक्कत न आये द्य सभी सभादों ने एक साथ जाम को लेकर समस्या कही जिस पर अधिशाषी अधिकारी डॉ कल्पना बाजपेयी ने बताया की वरिष्ठ अधिकारीयों से चर्चा करके सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक भारी वहान कस्बे के अंदर पूर्णत प्रतिबंधित रहेंगे द्य सभासदो और चेयरमेन प्रतिनिधि द्वारा बोर्ड बैठक में जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पात्र के लिए एक सरल व्यवस्था बनाने के लिए भी कहा गया । बैठक में सभासद कमल ठाकुर, सभासद विवेक अग्रवाल, सभासद चंद्रशेखर, सभासद भोला पहलवान, सभासद श्रीराम, सभासद राकेश, सभासद नंदकिशोर, सभासद विश्वेंद्र, सभासद हरिशंकर गुर्जर, सभासद विष्णु गुर्जर, सभासद राकेश डीलर, सभासद चतुरलाल, सभासद कन्हैया ठाकुर और अमित बाबू मौजूद रहे ।

आदर्श रोड पर जाम से मिलेगा छुटकारा

बरसाना । नगर पंचायत में बोर्ड बैठक के दौरान आदर्श रोड और लाडो द्वारा वाले रोड पर अतिक्रमण को लेकर तीखी बहस हुई जिसमें सर्वसम्मति से आदर्श रोड से जल्द ही वहां ओर धकेल हटाई जाएगी और श्रद्धालुओं के लिए रास्ता रहेगा । इस पर किसी भी प्रकार से अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा ।

मुख्यमंत्री आवास योजना में 20 हजार आवास स्वीकृत

जौनपुर(आरएनएस)। मुख्यमंत्री ने लोक भवन सभागार, लखनऊ से उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने पर वार्षिक पुस्तक ”नवनिर्माण के 9 वर्ष” का विमोचन किया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, जिसे सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिन्सू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुवव खाड़िया सहित अन्य की उपस्थिति में देखा गया और मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। सदस्य विधान परिषद ने बताया कि महिला सुरक्षा और सम्मान के दृष्टिगत मिशन शक्ति, महिला हेल्पलाइन 181 आदि के माध्यम से महिला सुरक्षा को मजबूत किया गया है, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और पर्यटन निवेश, उद्योग के क्षेत्र में लगातार रोजगार के अवसर सृजित हो रहे है। 8 नए हवाई अड्डा का विकास कार्य चल रहा है राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 2016–17 में 2.96 लाख करोड़ रुपए था जो 2024–25 में बढ़कर 6.95 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जनपद में एक्सप्रेस वे कनेक्टिविटी, फोर लेन और सड़को के चौडीकरण, सुदढीकरण के साथ ही नयी सड़को का जाल बिछाया गया है। जिला अस्पताल में मरीजों का सुगमता पूर्वक ईलाज किया जा रहा है और मेडिकल कालेज में भी प्रतिदिन लगभग 2500 ओपीडी देखी जा रही बताया कि जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना के अर्न्तगत 2016 से अब तक 97 हजार 647 आवास स्वीकृत हुए है। मुख्यमंत्री आवास योजना में 2019 से अब तक 20 हजार 292 आवास स्वीकृत किये गये है। वृद्वावस्था योजना में 2 लाख 22 हजार, निराश्रित महिला पेंशन योजना में 95 हजार 24, दिव्यांग पेशंन में 28 हजार 518, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनार्न्तगत 1371 जोडों का विवाह इस वर्ष और आगामी जौनपुर महोत्सव में लगभग 800 जोडो का विवाह होना प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक 403934 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

हादसे में एक की मौत पांच लाग घायल

जौनपुर(आरएनएस)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जौनपुर शाहगंज मार्ग पर कोईरिडिहा–बाजार के पास बुधवार को पूर्वान्ह कार ऑटो की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।बताते है कि एक ऑटो रिक्शा सवारी लेकर जौनपुर–शाहगंज मार्ग से जौनपुर शहर की ओर जा रहा था। जैसे ही ऑटो कोरीडिहा बाजार के पास पहुंचा, तभी शाहगंज की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक इनोवा कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो रिक्शा सड़क किनारे खंदक में जा गिरा। हादसे में ऑटो सवार पांच लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में इलाज के दौरान खुटहन थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी 58 वर्षीय बैजनाथ गुप्ता को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घायलों में खेतासराय क्षेत्र के सुंभूलपुर निवासी गुलाब गुप्ता (45), नीतू (38), आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी निलेश (22) तथा कोतवाली क्षेत्र के पानदरीबा निवासी इस्तेखार (22) शामिल हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

कायस्थ समाज ने पंकज श्रीवास्तव का किया सम्मान

जौनपुर(आरएनएस)। कायस्थ महासभा के प्रदेश महासचिवध्जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव के आवास पर आयोजित एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित सभासद पंकज श्रीवास्तव ‘हैप्पी’ का कायस्थ समाज के लोगों ने माल्यार्पण, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कायस्थ बंधुओं को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिवध्जिलाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पंकज श्रीवास्तव का सभासद पद पर नामित होना पूरे कायस्थ समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पंकज समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और समाज का नाम रोशन करेंगे।इस अवसर पर जय आनंद , आशीष श्रीवास्तव तथा प्रधानाचार्य संजीव श्रीवास्तव ने न उन्हे कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और जनसेवा को सर्वोपरि रखने की सलाह दी। पंकज श्रीवास्तव ‘हैप्पी’ ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यहां तक पहुंचने में जिन लोगों का सहयोग और समर्थन मिला है, वे उनके सदैव आभारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे। श्याम रतन श्रीवास्तव, अजीत श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, अमित निगम सहित अनेक गणमान्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। संचालन महासचिव संजय अस्थाना द्वारा किया गया।

गैस किल्लत के विरोध में महिला सभा का प्रदर्शन

जौनपुर(आरएनएस)। प्रदेश सचिव समाजवादी महिला सभा उषा जायसवाल द्वारा गैस की लगातार किल्लत को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नाली से गैस बनाने की विधि का प्रयोग किया गया । प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि महिलाओं ने घर की एलपीजी गैस सिलेंडर की समस्याओं को देखते हुए नाली से गैस बनाने की विधि जो प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई विधि है इसका प्रयोग किया गया परंतु प्रधानमंत्री का यह प्रयोग कोरा झूठ साबित हुआ । कहा कि पूरा देश एलपीजी गैस की समस्याओं से जूझ रहा है लगातार उन बढ़ रही कीमतों का सामना कर रहा है परंतु ना तो गैस की कीमतें रुकने का काम कर रही हैं और ना ही एलपीजी गैस की आपूर्ति सुनिश्चित हो पा रही है ऐसी दशा में आम आदमी मौजूदा बीजेपी की सरकार द्वारा लगातार ठगा जा रहा है जिसे हम समाजवादी महिला सभा प्रमुख रूप से प्रत्येक रसोई की समस्याओं का सामना हम महिलाएं कर रहे हैं यह सांकेतिक विरोध तब तक चलता रहेगा जब तक एलपीजी गैस की बड़ी हुई कीमतें सरकार वापस नहीं लेती और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होती है। पूनम यादव पिंकी गुप्ता सुशील यादव मालती निषाद शिल्पा जायसवाल प्रीति जायसवाल चंदा निषाद पूनम निषाद समेत तमाम महिला नेता मौजूद रहे।

कोर्ट ने सदर तहसीलदार का वेतन रोका

जौनपुर(आरएनएस)। जनपद में अदालती आदेश की अवहेलना पर जौनपुर की एक अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए लखनऊ के जौनपुर सदर तहसीलदार का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। यह आदेश सड़क दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) के न्यायाधीश मनोज कुमार अग्रवाल ने जारी किया है। साथ ही इस संबंध में लखनऊ के जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। मामला महाराजगंज थाना क्षेत्र के कोल्हुआ निवासी हरिश्चंद्र निषाद (36) की सड़क दुर्घटना में हुई मौत से जुड़ा है। 20 अक्टूबर 2022 को ट्रैक्टर की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई थी। मृतक हरिश्चंद्र गुजरात में लेबर कॉन्ट्रैक्टर के रूप में कार्यरत थे। घटना के बाद उनकी पत्नी निशा और बच्चों ने अधिवक्ता के माध्यम से ट्रैक्टर मालिक, चालक और मैग्मा एचडीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ क्षतिपूर्ति का दावा दायर किया था। सुनवाई और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने 25 जुलाई 2025 को ट्रैक्टर चालक की लापरवाही मानते हुए बीमा कंपनी को दो माह के भीतर 63.60 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति राशि अदा करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद पीड़ित परिवार को राशि दिलाने के लिए जारी राजस्व वसूली प्रमाणपत्र (आरसी) पर तहसील प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई।

इफ्तार में मांगी गई विश्व शान्ति के लिए दुआ

जौनपुर(आरएनएस)। इस वर्ष भी गंगा जमुनी तहजीब की मिशाल जलालपुर कस्बा स्थित द मर्सी क्लब के प्रांतीय चेयरमैन एजाज अहमद के आवास पर इफ्तार पार्टी में मंगलवार शाम को देखने को मिला। इफ्तार पार्टी में हिन्दू मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कस्बा के व्यापारी रतन लाल मौर्या ने कहा कि हम क्षेत्रवासियों का यह हमेशा प्रयास है कि आपसी सौहार्द बना रहे हम लोग एक दूसरे के समुदाय के समस्त त्यौहारों को मिलजुलकर मानते रहे है और आगे भी यह कायम रहेगा भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि एजाज भाई को इस तरह इफ्तार कराने के लिए बधाई है। क्लब संरक्षक संकठा प्रसाद गुप्ता ने कहा कि एजाज जी सभी समुदाय के लोगो को एक धागा में पिरो के चलते है इफ्तार के बाद हाफिज मेराज ने नमाज अदा की ।

पूर्वांचल का प्रमुख आस्था केंद्र चौकिया धाम

जौनपुर(आरएनएस) । नगर में चौकिया धाम (शीतला माता मंदिर) नवरात्र में पूर्वांचल का प्रमुख आस्था केंद्र है। यहाँ मां शीतला का दर्शन विंध्याचल यात्रा से पूर्व अनिवार्य माना जाता है, जिससे यात्रा सफल होती है। नवरात्र में यहाँ लाखों श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति के लिए कड़ाही चढ़ाते हैं, मुंडन संस्कार कराते हैं और कुंड में स्नान कर सुख–समृद्धि पाते हैं। मान्यता है कि मां विन्ध्यवासिनी की पूजा से पहले माता शीतला चौकिया के दर्शन करना आवश्यक है, अन्यथा यात्रा अधूरी मानी जाती है। नवरात्र के दौरान, विशेषकर सातवें दिन, भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं और माहौल भक्तिमय हो जाता है।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। ईरान के खिलाफ अमेरिकी–इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम–कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली–जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए–नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए

रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म–निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर–टुकुर देखते को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। 1994 का रवांडा का नरसंहार हो या फिर 2011 में दक्षिण सूडान में हुआ गृहयुद्ध, 1995 में सर्ब सेना द्वारा बोस्निया में किया गया नरसंहार हो या फिर 2010 के दौरान हुई कथित अरब क्रांति की आड़ में हुई मध्य एशिया की हिंसा, किसी को भी रोकने में संयुक्त राष्ट्र अभियान सफल नहीं रहे। संयुक्त राष्ट्र का मंच राष्ट्रों के बीच संवाद बढ़ाने और विवादों को सुलझाने के बजाय,उनके बीच गाली–गलौज और आपसी आलोचना का केंद्रभर बनकर रह गया है। अभी संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख और ताकतवर अंगर सुरक्षा परिषद है। इसका गठन ही गैरबराबरी को बढ़ावा देने का बड़ा आधार बन गया है। इसमें तीन राष्ट्र ऐसे हैं, जो अक्सर अपने वीटो पॉवर का इस्तेमाल नकारात्मक तरीके से करते हैं। अमेरिका, चीन और रूस की ज्यादातर भूमिका नकारात्मक रहती है। रही बात ब्रिटेन और फ्रांस की तो उनकी भूमिका मध्यमार्गी है। हालांकि वे भी महत्वपूर्ण मसलों में सीधा हस्तक्षेप करने की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा नहीं सकते। इसका ही असर है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर रखा है और रूस एवं यूक्रेन के बीच चार साल से युद्ध जारी है। मानवाधिकार के मुद्दों पर भी संयुक्त राष्ट्र प्रभानवी नजर नहीं आता। कोविड महामारी के दौरान जिस तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के साथ पक्षपात पूर्ण भूमिका निभाई, वह भी संयुक्त राष्ट्र की नाकामी प्रतीक है। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है।

सम्पादकीय

रैप म्यूजिक से बनाई पहचान

पुराने दलों एवं नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की समस्याओं की जड़ बताना बालेंद्र शाह के रैप गानों का थीम रहा। इस तरह उन्होंने जन भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है।

नेपाल के चुनाव नतीजों से साफ है कि वहां के लोग पुरानी पार्टियों और नेताओं से कितने आजिज आ चुके थे। नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को उन्होंने सिरे से ठुकरा दिया है। अब उन्होंने अपना दांव ऐसे नेता पर लगाया है, जिन्होंने अपनी पहचान रैप म्यूजिक से बनाई और उसी माध्यम से राजनीति में लोकप्रिय हुए। बालेंद्र शाह पहले अपने दम पर काठमांडू के मेयर बने और अब पिछले सितंबर की उथल–पुथल के बाद हुए चुनाव में लोगों की उम्मीद का सबसे बड़ा प्रतीक बन कर उभरे हैं। शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल के हालिया इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। शाह ने चुनाव अभियान भी रैपर के बतौर चलाया।

पुराने दलों और नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की तमाम समस्याओं की जड़ बताना उनके रैप गानों का थीम रहा है। इस तरह उन्होंने लोगों के भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। मगर चाहे राजनीतिक संस्कृति से जुड़ी समस्याएं हों या ठोस आर्थिक मसले– उनका समाधान रैप अथवा किसी संगीत से नहीं निकल सकता। इसके लिए ठोस कार्यक्रम एवं योजनाओं की जरूरत होगी। इस मामले में शाह के पास कोई सोच या नजरिया है, इसका कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

बल्कि वे एक ऐसी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बतौर जीते हैं, जिसके नेता पर भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोप हैं कि जेन–जी विद्रोह के पहले तक वे जेल में थे। अपनी खराब छवि के कारण ही रवि लामिछाने ने शाह को पार्टी का चेहरा बनाया। ये दांव कामयाब रहा। लेकिन आगे का रास्ता कठिन है। आरएसपी की सरकार को मतदाताओं की ऊंची उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। बेरोजगारी, युवाओं के सामने अवसरहीनता, गरीबी और आम विकास की कसौटियों पर पिछड़ापन वे समस्याएं हैं, जिनका समाधान नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां नहीं ढूंढ पाईं। इसके लिए प्रयासरत होने के बजाय उनके नेता आलीशान जिंदगी जुटाने में लग गए। क्या आरएसपी उससे अलग संस्कृति और समाधान दे पाएगी, यह अब मुख्य प्रश्न है।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ–साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरु से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है। मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू–राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थीकृएक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु–आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुक्कत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी।

युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं।अमेरिका–इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है।भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका–इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं। युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं। विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे–बड़े

जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी–लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान–अमेरिका–इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए।युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं। भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता। ऊर्जा संकट की आहट मात्र से अफवाह बाज सक्रिय हो गए और ऐसी अफवाहें उड़ाई गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। जिन घरों मे एक या दो भरे हुए एलपीजी सिलिंडर मौजूद हैं वो भी हल्ला मचा रहे हैं। प्रतिदिन होने वाली सिलिंडर बुकिंग 55 लाख से बढ़कर 75 लाख हो गई। देशभर मे अजीब नजारे देखने को मिल रहे हैं। जो परिवार 853 रुपए का गैस सिलेंडर खरीदने में भार का अनुभव करते थे अब वही लोग चोर बाजार से 3500 तक का सिलेंडर खरीदने की हैसियत दिखा रहे हैं। समाज मे नैतिकता व सदाचार की कमी के कारण ही जमाखोरी व कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है। युद्धकाल में देशवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग कर्तव्य से विमुख होकर अपने लिए मुनाफे का अवसर खोज रहा है। अभी भारत का युद्ध से कोई सबंध नहीं है और यह युद्ध भारत से बहुत दूर हो रहा है तब भी जिस प्रकार का पैनिक भारत में हुआ है वह कुछ भारतीयों की ही विकृत मानसिकता को प्रदर्शित कर रहा है। संकट है किंतु अगर कुछ भी कर्त्तव्य बोध होता तो हालात बिल्कुल सामान्य ही रहते। अंततः अब सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारियों पर कार्यवाई आरम्भ कर दी है और उसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं

हरिशंकर व्यास

इस पहेली को सुलझाया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने आठवीं क्लास के बच्चों को न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाने का फैसला किया तो शासन के बाकी अंगों या लोकतंत्र के बाकी स्तंभों के बारे में क्यों नहीं कुछ सोचा? क्या एनसीईआरटी की किताब तैयार करने वाली कमेटी की नजरों में लोकतंत्र के बाकी तीन स्तंभ पाक साफ हैं? उनके यहां भ्रष्टाचार नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि पर्ची निकाल कर तय किया गया कि पहले न्यायपालिका का भ्रष्टाचार पढ़ाया जाएगा और उसके बाद बाकी स्तंभों के भ्रष्टाचार के बारे में बताया जाएगा? क्योंकि दुनिया भर में प्रेस फ्रीडम को लेकर काम करने वाली ज्यादातर संस्थाओं ने भारत में मीडिया कि रेटिंग काफी नीचे रखी है। भारत में मीडिया की विश्सनीयता भी बाकी संस्थाओं से कम है। सत्ता पक्ष के नेताओं ने सरकार पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल का टैग दे दिया तो दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने वालों को गोदी मीडिया या भक्त मीडिया का टैग दे दिया। इसका मतलब है कि किसी की नजर में मीडिया विश्वसनीय नहीं है। लेकिन एनसीईआरटी ने मीडिया में भ्रष्टाचार या कंप्रोमाइज को लेकर पाठ नहीं तैयार किया।इसी तरह जिस दिन श्न्यायपालिका में भ्रष्टाचारस्य शीर्षक अध्याय को लेकर विवाद शुरू हुआ उसी दिन अखबारों के पहले पन्ने पर ओडिशा के माइंस डिपार्टमेंट के एक डिप्टी डायरेक्टर के यहां विजिलेंस विभाग की कार्रवाई की खबर थी। खबर के साथ तस्वीरें भी थीं, जिसमें चारों तरफ नोट ही नोट दिखाई दे रहे थे। डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के यहां छापे में चार करोड़ रुपए नकद बरामद हुए। इसके अलावा जमीन और फ्लैट के कागजात और जेवर आदि अलग से बरामद हुए। ऐसा नहीं है कि यह कोई अपवाद वाली खबर थी। यह सबसे रूटीन की खबर है। किसी क्लर्क के यहां या किसी चपरासी के यहां छापे में लाखों, करोडों रुपए की जब्ती बहुत आम बात है। बड़े नौकरशाह तो अरबों के आसामी होते हैं। फिर भी नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं जोड़ा गया। क्या एनसीईआरटी की नजर में अधिकारी भी पवित्र गाय हैं?प्रेस और कार्यपालिका के अलावा लोकतंत्र का सबसे प्रमुख स्तंभ विधायिका है। देश में आठ सौ से कुछ कम सांसद और चार हजार से कुछ ज्यादा विधायक हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए। देश की हर पार्टी के कुछ न कुछ नेता किसी न किसी मामले में आरोपी हैं। जो जितना बड़ा नेता है उसके ऊपर उतने ज्यादा रुपए के घोटाले के आरोप हैं। अगर किसी किताब में विधायिका यानी विधायकों और सांसदों के भ्रष्टाचार का चौप्टर शामिल किया जाए तो देश के लोग आंख मूंद कर उस पर भरोसा करेंगे। लेकिन एनसीईआरटी ने विधायकों, सांसदों यानी विधायिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बच्चों के स्कूल में अध्याय नहीं प्रकाशित कराया। तभी बड़ी हैरानी की बात है कि सिर्फ न्यायपालिका को क्यों चुना गया? अगर लॉटरी या पर्ची निकाल कर यह फैसला नहीं हुआ कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से किताब में अध्याय शामिल करना है और यह काम केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एनसीईआरटी और उसकी बनाई कमेटी ने नहीं किया तो निश्चित रूप से इसके पीछे किसी विदेशी साजिश के पहलू से सरकार को जांच करानी चाहिए। सरकार को कोई टूलकिट तलाशना चाहिए। विपक्षी पार्टी पर आरोप लग सकते हों तो उसको ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। ऐसा कहने का कारण यह है कि प्रधानमंत्री से लेकर शिक्षा मंत्री और एनसीईआरटी के निदेशक तक सब यही कह रहे हैं कि पता लगाओ किसने ऐसा किया!

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है,

वृष राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे।

कर्क राशि–
आज आपका मन राजनीतिक और सामाजिक कार्यो की तरफ अधिक रहेगा। राजनितिक मामले में आज सुखद यात्रा के योग बन रहे हैं। रोजमर्रा के काम समय से पूरे होगें उनसे फायदा भी मिल सकता है।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता–पिता काफी खुश नजर आएंगे।

कन्या राशि–
आज का दिन जीवन में एक नई ऊर्जा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा।

तुला राशि–
कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है , महत्वपूर्ण परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा।

धनु राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे।

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आप किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं

कुंभ राशि–
आज का दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाइम करना पड़ेगा।

मीन राशि–
आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते

धाम का सुन्दरीकरण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था पर दे विशेष बल-मुख्यमंत्री

मीरजापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद भ्रमण के दौरान अष्टभुजा निरीक्षण गृह में जनप्रतिनिधिगण व अधिकारियो के साथ बैठक कर आगामी 18ध्19 मार्च 2026 से प्रारम्भ होने वाले चौत्र नवरात्र मेला के तैयारियो एवं जनपद में कराए जा रहे विकास कार्यो व निर्माणाधीन परियोजनाओ के प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने मेला से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नवरात्र व रामनवमी में यात्रियों के सुविधा के दृष्टिगत व मन्दिर मे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हो सके इसको ध्यान में रखते हुए पूरे मेला क्षेत्र, तीनों मन्दिरों व उसके आस पास के क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। कहा कि पूरे मेला क्षेत्र सहित मीरजापुर नगर को भी पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त मेला करे। उन्होंने कहा कि नवरात्र मेला के नगरीय क्षेत्र में नगर पालिका व ग्रामीण क्षेत्र में जिला पंचायत राज अधिकारी के द्वारा बेहतर साफ सफाई, सड़कों की मरम्ममत आदि सभी कार्यो को बेहतर ढंग से कराया जाए। धाम का सुन्दरीकरण कराते हुए लोगो के सामने स्वच्छ सुन्दर विन्ध्याचल प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डोर–डोर कूड़ा कलेक्शन किया जाए। घाटों पर बेहतर साफ–सफाई आवागमन हेतु मार्ग, नदी मे नहाते समय सुरक्षा के लिए पर्याप्त बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे मेला क्षेत्र में सामान्य नागरिकों के सुरक्षा के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए बेहतर प्रबंधन किए जाए। गर्मी के दृष्टिगत पूरे मेला क्षेत्र व पूरे जनपद में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। कहीं भी पेयजल की समस्या न आने पाए। मेला क्षेत्र में मोबाइल टायलेट, विद्युत व्यवस्था, गंगा किनारे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, गोताखोर व जल पुलिस की तैनाती की जाए। नाविको को लाइव जैकेट उपलब्ध कराया जाए। मेला क्षेत्र को बनाने के दृष्टिगत स्वंय सेवी संगठनो एवं सिविल डिफेंस के सदस्यों का भी सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक दुकानों पर श्रद्धालुओं के सामानों की सुरक्षित व्यवस्था रहे, प्रयास किया जाए कि जिस रास्ते दर्शन के लिए श्रद्धालु जाए उन्हें उसी रास्ते पर वापस भेजा जाए ताकि उन्हे किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। वाहन पार्किंग व्यवस्था के सम्बंध में मुख्यमंत्री ने हा कि पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था की जाए तथा पार्किंग में वाहनों की सुरक्षा, शौचालय व पेयजल की भी व्यवस्था हो। पार्किंग चिन्हित करते समय यह ध्यान रखाजाए कि श्रद्धालुओं को अधिक दूरी तक पैदल यात्रा न करना पड़ें। सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त सीसीटीवी कैमरा लगवाए। भिक्षावृत्ति में संलिप्त व्यक्तियों को हटाकर एक स्थान पर एकत्रित करते हुए उन्हें भंडारा के रूप में भोजन आदि की व्यवस्था कराई जाए। सभी ई रिक्शा आटो का सत्यापन कराते हुए सम्भव हो तो उनको आई कार्ड़ भी जारी किया जाए। नवरात्र मेला होटलों, दुकानों पर गुणवत्ता के सामान बिक्री कराने के साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए । कि ओवररेटिंग न होने पाए। मन्दिर व आस पास लगे पुलिस कर्मियो के द्वारा श्रद्धालुओं के साथ सद्व्यवहार किया जाए। बस स्टेशनो, रेलवे स्टेशनो, रैन बसेरों व प्रमुख स्थानों पर सभी जन सुविधाएं उपलब्ध हो। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविरो में चिकित्सको की उपस्थिति, दवाईयो की उपलब्धता, ओआरएस का घोल, एम्बुलेंस आदि की समुचित व्यवस्था रहें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मेला में ऐसा कार्य करे कि दर्शनार्थी खुश होते हुए मां का दर्शन कर अपने गंतव्य हो जाए।

’सवर्ण उत्पीड़न के विरोध में हुआ संगोष्ठी का आयोजन

’जब से देश आजाद हुआ तब से हम लोगों ने इस देश को बनाने के लिए कुर्बानियां दी है आज वही नतीजा है कि आज सभी पार्टिया हम सभी को मिटाने के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं

मीरजापुर। सवर्ण उत्पीड़न के विरोध में संगोष्ठी, महासम्मेलन का आयोजन करणी सेना के तत्वावधान में जन सामान्य मंच के बैनर तले लोहंदी में आयोजित किया गया। महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जुगुल किशोर तिवारी पूर्व उप महानिरिक्षक उप्र पुलिस एवं अवनीश सिंह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष तिवारी रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर श्यामधर तिवारी सूरज चौबे कार्यक्रम की अध्यक्ष महंत माधव महेंद्र ने की। वक्ता सूरज चौबे राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय सवर्ण आर्मी रहे। इस दौरान वक्ताओं ने आंदोलन का ऐलान करते हुए कहा कि यूजीसी एक्ट, एससी, एसटी एक्ट का दुरूपयोग बढ़ा है, सवर्ण आयोग की मांग सवर्ण करते हुए एकता की बात कही। कहा साथियों, वर्तमान राजनितिक सामाजिक परिवेश में हम सब उपेक्षित हो रहे है। सवर्ण समाज के लोग बधुआ मजदूर नहीं है सवर्ण समाज अपने हित को बखूबी जानता पहचानता है। यह लड़ाई जब तक यह कानून वापस नहीं हो जाता तब तक चलता रहेगा हमारी किसी जाति से लड़ाई नहीं है हमारी लड़ाई यहां के राजनेताओं से हैं जब तक समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों के चेहरे पर मुस्कान नहीं आ जाता तब तक यह लड़ाई चलती रहेगी। यह लड़ाई स्वाभिमान की है हमारे बच्चों की भविष्य की है। सभी को एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़ना है। जब तक लोग पार्टियों के बंधन से मुक्त नहीं हो जाते तब तक इस समाज को न्याय मिलना मुश्किल हो जाएगा। कहा सवर्ण समाज के लोगों से अनुरोध है की सवर्ण समाज के अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए पार्टी का जी हजूरी करना बंद करें तभी हमारे स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। हमारी हितैसी कोई भी पार्टी नहीं है। जब से देश आजाद हुआ तब से हम लोगों ने इस देश को बनाने के लिए कुर्बानियां दी है आज वही नतीजा है कि आज सभी पार्टिया हम सभी को मिटाने के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं। अब समय आ गया है कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आप सभी इस मुहिम को गांव तक ले जाएं।

कहा भारत का प्रधानमंत्री आया था गंगा का लाल बनके अब हो गया है अमेरिका का दलाल हम लोग तलवारों के बल पर इस देश को महत्व पूर्ण स्थान पर ले जाने में अपनी भूमिका निभाई है। अब अन्याय अत्याचार के खिलाफ लड़ाई शुरू हो गई है अब लोग जाग गए हैं। इस बार के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सफाया होना तय है। सरकारे धार्मिक व राजनैतिक तुष्टीकरण में व्यस्त है, ऐसे में हम सब भी आगामी पीढ़ियों के भविष्य की चिंता हेतु उपरोक्त बिन्दुओं को दृष्टिगत रखते हुये वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजक अरविन्द तिवारी रहे। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों अखिल भारतीय ब्राहम्ण एकाकृत परिषद, राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा, सवर्ण आर्मी, ब्रह्म शक्ति, राष्ट्रीय परशुराम सेना एवं समस्त सवर्ण समाज, मीरजापुर शामिल रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रवण समाज के लोग उपस्थित रहे और उन्होंने यूजीसी का विरोध करते हुए सवर्ण पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अपना आवाज बुलंद किया।

मुख्यमंत्री ने मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में मौलिश्री का पौधा रोपित किया और विश्वविद्यालय के अकादमिक व प्रशासनिक ब्लॉक का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने 31 मई तक विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा करने, विश्वविद्यालय के अंदर सड़कों का निर्माण करने और परिसर में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्ता और समयबद्धता का हर हाल में पालन होना चाहिए। कहा ऐसा पाठ्यक्रम चलाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ ही रोजगार से भी जोड़े मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा कि यहां ऐसा पाठ्यक्रम चलाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ ही रोजगार से भी जोड़े। इसका लाभ मीरजापुर, सोनभद्र समेत आसपास के युवाओं को प्राप्त हो। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजा है। मुख्यमंत्री ने शासन स्तर से इस पर कार्यवाही का निर्देश दिया। निर्माण कार्य में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के अकादमिक व प्रशासनिक ब्लॉक का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों का अवलोकन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी को समयबद्धता व गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है। हमारी सरकार ने मां विंध्यवासिनी के नाम पर मीरजापुर के युवाओं के लिए विश्वविद्यालय देकर बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया है। इसके निर्माण में हीलाहवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वर्षाकाल में वन विभाग से समन्वय स्थापित कर वृहद पौधरोपण अभियान चलाएं मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय प्रांगण में मौलिश्री का पौधा रोपा और विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि आगामी वर्षाकाल में वन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए बड़ी संख्या में पौधे प्राप्त करें। शिक्षकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों को साथ लेकर विश्वविद्यालय परिसर व आसपास के क्षेत्रों में वृहद पौधरोपण अभियान चलाएं। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय प्रशासन से हरियाली बढ़ाने को कहा। मुख्यमंत्री के आगमन पर कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले आशीष पटेल, विधायक मड़िहान रमाशंकर पटेल, प्रमुख सचिव (उच्च शिक्षा) महेंद्र अग्रवाल, आयुक्त मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, वित्त अधिकारी गिरीश कुमार, कुलसचिव श्री राम नारायण, परीक्षा नियंत्रक महेंद्र कुमार, डिप्टी रजिस्ट्रार सुनील कुमार सरोज आदि उपस्थित रहें। इस दौरान मुख्यमंत्री मां विंध्यवासिनी कारीडोर परिसर में स्टाल से श्रद्धालुओं को पौध वितरित किया।

ऊपरी सेतु निर्माण से बदला त्रिकोण पथ, स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी

मीरजापुर। विंध्याचल धाम के त्रिकोण पथ पर स्थित शिवपुर क्षेत्र में राष्ट्रवादी मंच की चौपाल आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने उपरगामी सेतु (ओवरब्रिज) निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। लोगों का कहना है कि सेतु निर्माण के कारण धाम का प्राचीन त्रिकोण पथ प्रभावित हो गया है, जिससे क्षेत्रवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चौपाल में मौजूद लोगों ने बताया कि मार्ग बदल जाने से अति प्राचीन रामेश्वरम मंदिर, तारा मंदिर, बालिका विद्यालय तथा स्थानीय बाजार तक आने–जाने में लोगों को परेशानी हो रही है। इससे क्षेत्र के बाजार के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा हो गया है। राष्ट्रवादी मंच के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जब समाज के लोग एक साथ बैठकर विचार–विमर्श करेंगे, तभी समस्याओं का समाधान निकल सकेगा। उन्होंने कहा कि ममता और समता के आधार पर समाज को एकजुट करने की आवश्यकता है। समाज में जो विभाजन की स्थिति बनी हुई है उसे समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रश्न अनेक हैं, लेकिन समाधान एक है, आपसी संवाद और एकजुटता। समस्याओं के समाधान के लिए निष्काम भाव से बैठकर विचार करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित की उपेक्षा करने वालों को सबक सिखाने के लिए समाज का एकजुट होना आवश्यक है और विकास के नाम पर विनाश किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने शिवपुर रेलवे फाटक बंद होने और ऊपरी सेतु निर्माण के दौरान सीढ़ियों की व्यवस्था न किए जाने पर भी आश्चर्य जताया। लोगों का कहना है कि यदि सेतु पर सीढ़ियां बना दी जातीं तो प्राचीन त्रिकोण पथ का मार्ग भी सुगम हो जाता, बाजार के अस्तित्व पर संकट नहीं आता और विद्यालय आने–जाने वाले छात्र–छात्राओं को भी परेशानी नहीं होती। चौपाल में मौजूद लोगों ने प्रशासन से इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस दौरान जय कुमार वर्मा, अमरदीप वर्मा, राजन गुप्ता, पुजारी अनिल द्विवेदी, एडवकेट संजय गोस्वामी, चंद्रभान सिंह, प्रहलाद शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा,जगन्नाथ श्रीवास्तव, संजय कुमार बनवाशी, श्याम कुमार गुप्ता, तौलन प्रसाद गुप्ता, छेदी लाल, बसंत लाल, रामेश्वर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने विन्ध्याचल पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का किया दर्शन-पूजन

मीरजापुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद भ्रमण के दौरान विन्ध्याचल पहुंचकर आदि शक्ति महाभगवती मॉ विन्ध्यवासिनी देवी का मंत्रोच्चार के साथ दर्शन व पूजन किया। तत्पश्चात मां की आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ्य व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। मुख्यमंत्री ने मां को लाल चुनरी अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की और मन्दिर की परिक्रमा भी की। मुख्यमंत्री ने चौत्र नवरात्र मेला की तैयारियो का जायजा लिया। जिला प्रशासन को चौत्र नवरात्र व रामनवमी में आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने और मन्दिर प्रांगण के साथ ही आस पास के क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए मेला को प्लास्टिक मुक्त रखने का निर्देश दिया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री ने विन्ध्यवासिनी कारीडोर का अवलोकन और स्टालो का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओ का अभिवादन भी किया। इस दौरान कारीडोर मुख्यमंत्री जी को कुछ बच्चे दिखाई दिए। उन्होंने बच्चों के पास पहुंचकर उनसे सवांद किया। उनका हाल चाल पूछा और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री जी ने बच्चो को मोबाइल का प्रयोग कम से कम करने की सीख दी और उन्हें चाकलेट भी दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले आशीष पटेल, उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, मझवां शुचिस्मिता मौर्या, छानबे रिंकी कोल, सदस्य विधान परिषद श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्याम सुन्दर केसरी, जिला अध्यक्ष भाजपा लाल बहादुर सरोज उपस्थित रहें।

भक्ति व आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठी रामनगरी

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या एक बार पुनः भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठी, जब हनुमानगढ़ी में भगवान हनुमान के आशीर्वाद से अखंड रूप से चलने वाले सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ विधिवत किया गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का भी सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ।इस पुण्य अवसर पर निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास, संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, राजेश पहलवान, वैद्य मंदिर के महंत राजेंद्र दास, महंत शशिकांत दास, बाल योगी महंत रामदास, महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास तथा श्रृंगी ऋषि आश्रम के महंत हेमंत दास सहित सैकड़ों संत–महंतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी संतों ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महंत संजय दास ने कहा कि हनुमान जी के भक्त विनोद कुमार जायसवाल का यह प्रयास सामाजिक एकता और अखंडता को स्थापित करेगा और आज से जो हनुमान जी के आशीर्वाद से अभियान शुरू हुआ है यह प्रत्येक मंगलवार को गांव–गांव तक पहुंचेगी और इससे लोगों में धार्मिक चेतना बढ़ेगी। कार्यक्रम के संयोजक विनोद कुमार जायसवाल ने इस अवसर पर अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि हनुमान जी की कृपा से अब प्रत्येक मंगलवार को अयोध्या मंडल के हर ग्राम सभा में सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने इसे जन–जन तक भक्ति और एकता का संदेश पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अभियान बताया।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन ग्राम सभाओं में मंदिर उपलब्ध होंगे, वहां मंदिर परिसर में ही पाठ आयोजित किया जाएगा, जबकि अन्य स्थानों पर उपयुक्त स्थल का चयन कर यह आयोजन संपन्न कराया जाएगा। इस पहल को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। इस आयोजन का मूल उद्देश्य समाज में एकता, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक जागरूकता को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र और धर्म सुरक्षित रहेंगे, तभी समाज और व्यक्ति का अस्तित्व भी सुरक्षित रह सकेगा। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि हनुमान जी को संकट मोचन और शिव के अंश के रूप में पूजा जाता है। उनकी प्रेरणा से ही राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को होने वाले इस आयोजन में लोग मिलकर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे, जिससे समाज में आध्यात्मिकता के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भी प्रबल होगी।

अयोध्या में वायु प्रदूषण की स्थिति व उसका स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभाव का होगा वैज्ञानिक अध्ययन डा. विनोद कुमार चौधरी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा एक महत्वपूर्ण शोध परियोजना के लिए प्रोविजनल स्वीकृति प्रदान की गई है। इस शोध परियोजना के तहत "अयोध्या में परिवेशी वायु गुणवत्ता का समेकित आकलन और स्वास्थ्य जोखिम विश्लेषण" विषय पर आधारित है। आईसीएसएसआर की विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर इस परियोजना को 24 माह की अवधि के लिए स्वीकृत किया गया है तथा इसके लिए 16 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है।इस शोध का उद्देश्य अयोध्या नगर की वायु गुणवत्ता का वैज्ञानिक विश्लेषण करना और उसके कारण स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित जोखिमों का आंकलन करना है। अध्ययन के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि वायु प्रदूषण का स्तर किस प्रकार आम जनजीवन और स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है तथा इसके नियंत्रण के लिए क्या प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं।डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में अयोध्या नगर की वायु गुणवत्ता का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। डॉ. चौधरी लंबे समय से पर्यावरण अध्ययन, वायु प्रदूषण, जनस्वास्थ्य और सामाजिक विकास जैसे विषयों पर सक्रिय रूप से शोध कार्य कर रहे हैं। उनके कई शोध लेख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके द्वारा किए गए अध्ययन पर्यावरणीय समस्याओं के सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। डॉ. विनोद कुमार चौधरी के अनुसार, तेजी से विकसित हो रहे धार्मिक और पर्यटन नगर अयोध्या में वायु प्रदूषण की स्थिति और उसके स्वास्थ्य पर प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

एनपीईपी की तीन दिवसीय वार्षिक परियोजना समीक्षा बैठक सम्पन्न

अयोध्या। आध्यात्मिक चेतना व मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित तथा राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी) के तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय वार्षिक परियोजना समीक्षा बैठक का मंगलवार को समापन हुआ। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के तत्वाधान में आयोजित एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ की शालेय समीक्षा बैठक के दूसरे दिन का शुभारंभ कार्यक्रम की राष्ट्रीय समन्वयक प्रोफेसर गौरी श्रीवास्तव के उद्बोधन से हुआ। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने सभी राज्यों के समन्वयकों से आह्वान किया कि वह किशोरों की समसामयिक आवश्यकताओं को केंद्र में रखें क्योंकि वैश्वीकरण एवं तकनीकी विकास ने हमारे देश के किशोर वय के बच्चों को बहुत प्रभावित किया है।

इस अवसर पर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्रों के किशोरवय बच्चों की समस्याओं एवं उनके समाधान पर विचार–विमर्श किया। प्रोफेसर विजय कुमार मलिक एवं डॉ मुकेश कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की समीक्षा की। संध्या काल में सभी प्रतिभागियों ने श्रीरामलला का दर्शन किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रथम सत्र में आगामी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए बनाए गए कार्यक्रमों की रूपरेखा को प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए एन. सी.ई.आर.टी. के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने अपनी संस्कृति, भाषा व मूल्यों से जुड़ते हुए 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में पूरे मनोयोग से कार्य करने तथा भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने, सामाजिक न्याय व समावेशी शिक्षा की जरूरत पर बल दिया।

संयुक्त निदेशक द्वारा उक्त की दिशा में गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों तथा शोध के परिणामों को सम्बंधित हितधारकों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। राज्यों से एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा वांछित शोध के उच्च स्तर को प्राप्त करने हेतु सतत प्रयास करते रहने पर बल दिया। इस अवसर पर देश के सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि तथा सभी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों तथा राज्य शिक्षा संस्थाओं के एन.पी.ई.पी से जुड़े परियोजना समन्वयकध्प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक प्रो. बिजय कुमार कुमार मलिक, डॉ. मुकेश कुमार वर्मा तथा एन.पी.ई.पी उत्तर प्रदेश के परियोजना निदेशक व प्राचार्य राज्य शिक्षा संस्थान उ.प्र. प्रयागराज के प्राचार्य श्री राजेंद्र प्रताप की प्रतिनिधि व उ.प्र. राज्य की परियोजना समन्वयक श्रीमती अनुराधा पांडे व डॉ रेनू सिंह सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

स्किल जीवन में कभी व्यर्थ नहीं होती डा. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएसएआर) नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक एवं प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर सी अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्वागत एवं स्मृति भेंट कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए डॉ. आरसी अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम को बहुविषयक शिक्षा के तहत कृषि को अन्य विज्ञानों और प्रबंधन के साथ जोड़कर पढ़ने का अवसर है। इससे भारत की शिक्षा प्रणाली में बड़ा सुधार होगा। डिग्री प्रोग्राम्स में 'हैंड्स–ऑन' ट्रेनिंग और इंटर्नशिप को अनिवार्य बनाने पर जोर दिया ताकि स्नातक सीधे रोजगार पाने या स्टार्टअप शुरू करने के योग्य बनें। बौद्धिक संपदा और पादप किस्म संरक्षण (पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण) के रूप में उन्होंने किसानों के अधिकारों और नई पौधों की किस्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाए जाने पर जोर दिया। डॉ. अग्रवाल ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि शिक्षा में नवाचार को सबसे बड़ा हथियार बताया है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि छोटे और मध्यम किसानों को अवसर दिया जाए क्योंकि उनके पास अच्छे विचार हैं जो विकसित भारत के लिए सुखद सिद्ध होंगे। युवा छात्रों को प्रेरित करने के लिए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि छात्रों में मोटिवेशन की बेहद आवश्यकता है इससे उनके करियर में सुधार के साथ–साथ आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी और रिसर्च गतिविधियों में भी सहयोग मिल पाएगा। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान विज्ञान संस्थानों में भी बहुविषयक पाठ्यक्रम पर जोड़ दिया जा रहा है। इसके उत्साह जनक परिणाम आ रहे हैं। संगोष्ठी के अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति में बहु विषयक शिक्षा भविष्य की शिक्षा है। इससे शोध गतिविधियों को आधार मिलेगा। नई शिक्षा नीति में एंटरप्रेन्योर को बढ़ावा देने के लिए कई उपबंध किए गए हैं। छात्र–छात्राओं को मोटिवेट कर उन्हें स्किल्ड बेस तैयार करना होगा। कुलपति ने कहा कि बच्चों को नंबर लाने की मशीन नहीं बनाना है। बल्कि उन्हें प्रतियोगिता के क्षेत्र में ब्रेन का उपयोग करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि स्किल जीवन में बेकार नहीं जाती इसके लिए हॉलिस्टिक डेवलपमेंट पर ध्यान देना होगा। गोष्ठी में धन्यवाद एवं आभार ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा की विकसित भारत 2047 को आगे बढ़ने का संकल्प का दायित्व शिक्षकों का है। इसमें सब को साथ लेकर चलने का अवसर है।

22 मार्च को कानपुर में राज्य स्तरीय निरंकारी संत समागम

चित्रकूट। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की दिव्य एवं करुणामयी छत्रछाया में 22 मार्च को कानपुर के निराला नगर स्थित रेलवे ग्राउंड (पराग डेयरी के समीप) में उत्तर प्रदेश का भव्य राज्य स्तरीय निरंकारी संत समागम श्रद्धा, समरसता और आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। यह पावन आयोजन मानवता, विश्वबंधुत्व और आध्यात्मिक जागृति का प्रेरणास्रोत बनेगा। यह जानकारी चित्रकूट के मुखी शिवभवन, मीडिया सहायक सचिन श्रीवास्तव द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि इस दिव्य समागम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर सतगुरु के अमृतमय संदेशों का श्रवण करेंगे। सत्संग की इस पावन वाणी से मानव जीवन में प्रेम, सहअस्तित्व, करुणा और वैश्विक भाईचारे की भावना को नया आलोक प्राप्त होगा। बताया कि समागम स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए लंगर, प्याऊ, चिकित्सा सेवा, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ अत्यंत सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं। सभी भक्तजन सेवा–भाव, अनुशासन और समर्पण के साथ स्थल को स्वच्छ, सुंदर और भक्तिमय वातावरण से परिपूर्ण बनाने में निरंतर सक्रिय हैं। आयोजन की सफलता हेतु स्थानीय प्रशासन भी सहयोग प्रदान कर रहा है। बताया कि इस दिव्य समागम की पूर्व बेला में युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से 20 एवं 21 मार्च को 'निरंकारी यूथ सिम्पोजियम' का आयोजन किया जाएगा। जिसका मुख्य विषय 'द सिक्स एलीमेंट्स'– छः तत्व रहेगा। इस प्रेरणादायी मंच पर लघु नाटक, भक्ति–गीत, पैनल चर्चा और संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को आध्यात्मिकता, अनुशासन, आत्मिक संतुलन, मानवीय मूल्यों, सकारात्मक चिंतन तथा रचनात्मक नेतृत्व के प्रति प्रेरित किया जाएगा।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले युवा अपनी प्रतिभा, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस आयोजन को जीवंत बनाएंगे। यह सिम्पोजियम युवाओं के भीतर सेवा, सहयोग, समर्पण और वैश्विक मानवीय चेतना को सुदृढ़ करने का माध्यम सिद्ध होगा। निःसंदेह, प्रेम, एकता, सहअस्तित्व और विश्वबंधुत्व के दिव्य संदेश से ओत–प्रोत यह संत समागम श्रद्धालुओं के जीवन में नई प्रेरणा, आत्मिक शांति और आनंद का आलोक प्रस्फुटित करेगा।

अमावस्या मेला ड्यूटी में लगे पुलिस बल की हुई ब्रीफिंग

चित्रकूट। चैत्र मास अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए मंदाकिनी भवन सीतापुर में अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह की अध्यक्षता में मेला में तैनात पुलिस बल के साथ ब्रीफिंग की गई। एएसपी ने कहा कि पुलिस फोर्स ड्यूटी स्थल पर तैनात रहकर मेला को सकुशल संपन्न कराएं। सभी अपर पुलिस अधिकारी हैंडसेट लाउड हेलर अवश्य प्राप्त कर लें। पुलिस जोनल प्रभारी अपने क्षेत्र का भ्रमण करके जिन प्वाइंट पर ड्यूटी लगी है वह समय से ड्यूटी करें। अगर कोई ड्यूटी के प्रति शिथिलता बरते तो उनके खिलाफ कार्यवाही के लिए रिपोर्ट प्रेषित करें। पुलिस फोर्स को तीन जोन व 10 सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट के अलावा चार पुलिस क्षेत्राधिकारी, 13 थाना प्रभारी निरीक्षक, निरीक्षक, 65 उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, 195 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, 52 महिला कांस्टेबल, 3 निरीक्षक, उपनिरीक्षक यातायात, 24 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल यातायात, 02 एसआई एलआईयू, 6 हेड कान्सटेबल कान्सटेबल एलआईयू, एक डॉग स्क्वायड, एक बीडीएस, एक एस चेक, पीएससी की एक कम्पनी फोर्स, एक प्लाटून लड कम्पनी की डियूटी लगाई गई है। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी राजपुर राज कमल, क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली एवं मेला में लगे समस्त अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

फांसी से लटकता मिला नवविवाहिता का शव

चित्रकूट। अज्ञात कारणों के चलते गर्भवती नवविवाहिता ने दरवाजा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा और पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया है।ये घटना मऊ थाना क्षेत्र के भिटारी गांव में सोमवार को हुई। बताया गया कि राम देवी (19) पत्नी तोता वर्मा गर्भवती थी। सूने घर में दरवाजा बंद कर अज्ञात कारणों के चलते फांसी के फंदे पर झूल गई। जब परिजनों को पता चला तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड शव को फदे से नीचे उतारा और पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। बताया गया कि मृतका का मायका बेराउर गांव है। मां गायत्री देवी ने बताया कि पांच जून को पुत्री की शादी की थी। आरोप लगाया कि आए दिन विवाद होता था।

फंदे से लटक कर डीजे संचालक ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस

बस्ती। संदिग्ध हालत में फंदे से लटक कर डीजे संचालक ने जान दे दी। पुलिस ने साक्ष्य संकलन कर मामले की जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। घटना कलवारी के बैड़ारी मुस्तहकम गांव की है। 37 वर्षीय अर्जुन सोनी गायघाट बाजार में डीजे व लाइट की दुकान चलाते थे। स्वजन ने बताया कि सोमवार को वह अपनी बहन के घर नगर बाजार गए थे। शाम को वापस लौट आए थे। रात में घर के बरामदे में सोने चले गए थे। बताया कि रात में घर का चौनल बाहर से बंद था। अर्जुन जीने के रास्ते छत पर चढ़कर दूसरे मकान की छत से नीचे उतर गए। कुछ देर बाद जब उनके छोटे भाई की नजर बिस्तर पर पड़ी तो वहां नहीं थे। रात में उनका पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह दिवंगत के छोटे भाई की किराना व चाय की दुकान के पीछे छप्पर की बड़ेर में रेशम की रस्सी से उनका शव लटकता हुआ मिला। डीजे संचालक पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर थे और उनके तीन बच्चे हैं। एसएचओ संतोष कुमार गौड़ ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

दिवंगत आरक्षी को दी गयी श्रद्धांजली

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में नियुक्त अधिकारी, कर्मचारियों के साथ दिवंगत आरक्षी राजेन्द्र कुमार बिन्द को श्रद्धांजली दी। दो मिनट का मौन रख ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति को प्रार्थना की गई। आरक्षी राजेन्द्र कुमार बिन्द ग्राम हकीमपुर थाना नन्दगंज जिला गाजीपुर के निवासी थे। जनपद चित्रकूट में डायल 112 में नियुक्त थे। लीवर की बिमारी के कारण काफी लम्बे समय से बीमार चल रहे थे।

30 अप्रैल तक पाठा के सभी गांवों में होगी जलापूर्ति

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि पाठा क्षेत्र में कुल 78 ग्राम पंचायतों में से 61 ग्राम पंचायतों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है। जिसमें से 46 ग्रामों के ग्राम प्रधान द्वारा हर घर जल प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया गया है। 882 किमी पाइप लाइन से 11 सीडब्ल्यूआर एवं 28 ओवरहेड टैंक के माध्यम से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 20 हजार घरों को कनेक्शन दिए जाने थे। जिसमें 18 हजार कनेक्शन दे दिया गया है। जिससे 156732 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल तक इस योजना को पूर्ण कर पाठा क्षेत्र में जलापूर्ति समस्त ग्राम पंचायतों में करा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 24 दावों पर 1.08 करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री .षक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत .षकों की दुर्घटनावश मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने संबंधी जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में डीएम ने बताया कि प्रदेश के .षकों को दुर्घटनावश आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने का प्रावधान है। मृत्यु या पूर्ण शारीरिक अक्षमता की स्थिति में शत प्रतिशत सहायता, दोनों हाथ या पैर, दोनों आंखों की क्षति पर सौ प्रतिशत सहायता, एक हाथ या एक पैर की क्षति पर 50 प्रतिशत सहायता, स्थायी दिव्यांगता 50 प्रतिशत से अधिक पर 50 प्रतिशत सहायता एवं स्थायी दिव्यांगता 25 प्रतिशत से अधिक किन्तु 50 प्रतिशत से कम होने पर 25 प्रतिशत सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के अंतर्गत 18 वर्ष से 70 वर्ष की आयु के खातेदार, सहखातेदार, बटाईदार एवं पट्टेदार .षकों या उनके हिताधिकारियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। समीक्षा बैठक में तहसील मऊ के 11 दावा, मानिकपुर के 8 दावा तथा तहसील राजापुर के 5 दावा सहित कुल 24 दावों पर विचारोपरांत एक करोड़ आठ लाख की आर्थिक सहायता स्वी.त की गई। स्वी.त धनराशि संबंधित हिताधिकारियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से भेजी जाएगी।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण दर्पण के समान : बीके शर्मा

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के परिणामों को विभिन्न हितधारकों के साथ साझा करने के लिए आयोजित दो दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न हितधारकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यशाला में जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, डायट संकाय सदस्य तथा बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों ने प्रतिभाग करते हुए परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के परिणामों का गहन विश्लेषण किया। कार्यक्रम का समन्वय संदर्भदाता प्रवक्ता सौरभ चन्द्र सविता, परख प्रभारी, प्रवक्ता हेम सिंह तथा एआरपी मनोज शुक्ला द्वारा प्रतिभागियों को सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्षों, विद्यार्थियों के विषयवार अधिगम स्तर, अधिगम अंतराल तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में अपेक्षित सुधार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने विद्यालय स्तर पर प्रभावी शैक्षिक हस्तक्षेप नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार के लिए विभिन्न सुझाव साझा किए।

कार्यशाला के समापन अवसर पर डायट प्राचार्य बीके शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण दर्पण के समान है जो विद्यार्थियों के वास्तविक अधिगम स्तर को समझने और शिक्षण प्रक्रियाओं में आवश्यक सुधार करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि कार्यशाला में प्राप्त निष्कर्षों एवं सुझावों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों को बेहतर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करें। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने परिणामों को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

डीएम ने पर्यटक सुविधा केन्द्र का किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने जनपद में पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित महत्वपूर्ण परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। यह परियोजना हवाईअड्डे के समीप देवांगना घाटी बॉर्डर में प्रस्तावित पर्यटक सुविधा केन्द्र डोरमेट्री निर्माण से संबंधित है। जिसका उद्देश्य जनपद में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण करना है। निरीक्षण के दौरान परियोजना स्थल पर कार्यों की प्रगति का गहन अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए। प्लम्बिंग, फायर फाइटिंग एवं इलेक्ट्रिकल कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराए जाएं। फर्नीचर एवं फिनिशिंग कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ करें। निर्माण स्थल पर प्रतिदिन एंट्री रजिस्टर का संधारण अनिवार्य रूप से किया जाए।

मनरेगा भुगतान को लेकर कांग्रेसियो ने किया प्रदर्शन

चित्रकूट। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल के नेतृत्व में मनरेगा मजदूर के बकाया भुगतान को लेकर विकास भवन में विरोध प्रदर्शन कर घेराव किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि लगभग मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ और रोजगार सेवकों को आठ महीने से मानदेय नहीं दिया गया। मांग किया कि सभी मनरेगा मजदूरों को मजदूरी व रोजगार सेवकों का मानदेय दिया जाए। अन्यथा की दशा में कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक मजदूरों के हक एवं अधिकार के लिए लड़ाई लड़ेगी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अवधेश करवरिया, अनिल गुप्ता, शिव गुलाम वर्मा, कालीचरण राजपूत, कामता द्विवेदी, शिवशंकर खंगार, राम.पाल वर्मा, प्रशांत गुप्ता, रानी देवी, माया देवी, इंद्रजीत उपाध्याय, रविंद्र सिंह पटेल, रामबली पाल, बच्चीलाल, मैयादीन, ऊधौ प्रसाद विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

बस्ती में गैस संकट पर प्रशासन का दावा सवालों के घेरे में, लंबी लाइनों से बढ़ी परेशानी

गैस संकट से उद्योग, व्यापार पर बुरा असरः स्थिति न सुधरी तो दिया आन्दोलन की चेतावनी

बस्ती। जनपद में एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन द्वारा बार–बार यह दावा किया जा रहा है कि कहीं भी गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल उलट नजर आ रही है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गैस एजेंसियों पर लंबी–लंबी कतारें आम हो गई हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इसी बीच कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिन्होंने प्रशासन के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां एक गरीब महिला, जो घरों में चौका–बर्तन कर अपने परिवार का भरण–पोषण करती है, उसे गैस के अभाव में चूरा–भूजा खाकर दिन गुजारना पड़ा, वहीं दूसरी ओर गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे एक बुजुर्ग व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ गई और उन्हें चक्कर आ गया। इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि समस्या केवल अफवाह नहीं, बल्कि वास्तविक संकट का रूप ले चुकी है।इस पूरे मुद्दे पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह और नगर उपाध्यक्ष इरफान खान ने जिला प्रशासन पर तीखा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में गैस की कोई कमी नहीं है, तो फिर एजेंसियों पर इतनी लंबी कतारें क्यों लग रही हैं? लोगों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जो प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहा है।व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह से ठप हो चुकी है। छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारी, मजदूर, छात्र जो हॉस्टल आदि में रहकर पढ़ाई करते है। जिनका कारोबार गैस पर निर्भर है, वे गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। होटल, ढाबा और अन्य खाद्य व्यवसाय संचालित करने वाले लोगों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।उन्होंने कहा कि प्रशासन को केवल बयान देने के बजाय जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन करना चाहिए और तत्काल प्रभाव से आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिए। साथ ही, गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि यही लोग कृत्रिम संकट पैदा कर रहे हैं और आम जनता को परेशान कर रहे हैं।व्यापार मंडल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो संगठन को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ा जा सके और उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सके।फिलहाल बस्ती में गैस संकट को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

टेट के सवाल को लेकर शिक्षक भेज रहे हैं पातीः निर्णायक आन्दोलन की तैयारी

सभी विकास खण्डों में चल रहा है जागरूकता अभियान- उदयशंकर शुक्ल

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने पाती भेजकर मांग किया कि टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराया जाय।यह जानकारी देते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि सोमवार को परशुरामपुर ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों पर जाकर कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में टीईटी के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा मांग पत्र पर शिक्षकों से हस्ताक्षर करवाया गया। बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों में चरणबद्ध ढंग से शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला अनवरत जारी है।इसी क्रम में गौर ब्लाक के मंत्री विनोद यादव, कप्तानगंज अध्यक्ष स्कन्द मिश्र, रूधौली अध्यक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में शिक्षकों से हस्ताक्षर कराकर पाती भेजी गई। मांग किया गया कि सरकार टेट अनिवार्यता के समस्या का समाधान शीघ्र निकाले। संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पदाधिकारी हस्ताक्षर कराने के साथ ही आगामी 13 अप्रैल को जनपद स्तर पर मशाल जुलूस और 3 मई को लखनऊ में आयोजित महारैली में हिस्सा लेने के लिये प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षकों की पाती पर हस्ताक्षर कराकर सम्बन्धित को डाक और ई मेल से भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनपद के अनेक अनेक हिस्सों में शिक्षकों द्वारा पाती भेजी जा रही है।

सफलता मिलने तक आन्दोलन जारी रहेगा।शिक्षकों की पाती भेजने के दौरान सतीश शंकर शुक्ला, राजीव पाण्डेय, प्रकाश चन्द्र शुक्ल, विजय वर्मा, सुनील कुमार, राधेश्याम वर्मा, राम कुमार जायसवाल, विभा देवी, अनुपम वर्मा, सन्तोषमणि तिवारी, राम [illegible] प्रकाश शुक्ल, श्याम नरायन मिश्र, [illegible] शामिल रहे।

पीएम स्वनिधि से 43 हजार से अधिक पटरी कारोबारियों का संवरा कारोबार’

गोरखपुर, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना पटरी कारोबारियों के कारोबार को संवारने में बड़े काम की साबित हो रही है। अकेले गोरखपुर में अब तक 43609 स्ट्रीट वेंडर्स जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से योजना का लाभ उठाकर कारोबार समृद्ध कर रहे हैं। इनमें से 14409 ऐसे हैं जिन्होंने पहला लोन चुकाकर दूसरा और 2494 ने दूसरा लोन चुकाकर तीसरा लोन प्राप्त किया। लोन लेने के बाद डिजिटल लेनदेन से उन्हें कैशबैक का अतिरिक्त फायदा हो रहा है। पीएम स्वनिधि योजना की शुरुआत जून 2020 में उस वक्त हुई जब कोरोना काल में कारोबार बुरी तरह प्रभावित था। इसका सबसे अधिक असर रेहड़ी–पटरी दुकानदारों पर था। दुकानदारी चौपट होने के कगार पर थी। ऐसे में उनके लिए संकटमोचक बनी पीएम स्वनिधि योजना। इस योजना का सहारा पाकर रेहड़ी–पटरी कारोबारियों के जीवन में समृद्धि का नया प्लेटफार्म मिला। अकेले गोरखपुर में जिला शहरी विकास अभिकरण (डूडा) के जरिये अब तक 43609 रेहड़ी–पटरी दुकानदार 10 हजार रुपये का गारंटी मुक्त लोन लेकर अपने कारोबार को संवार चुके हैं। पीएम स्वनिधि के तहत प्रथम, द्वितीय व तृतीय ऋण को मिलाकर गोरखपुर में कुल 84 करोड़ 89 लाख 70 हजार रुपये का ऋण स्ट्रीट वेंडर्स में वितरित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पटरी कारोबारियों के प्रति संवेदनशीलता और नियमित मॉनिटरिंग से स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पीएम स्वनिधि योजना का खूब रंग जमा है। योजना का लाभ पाने में किसी को कोई दिक्कत न आए, इसके लिए सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम भी शुरू कराया। यहां पीएम स्वनिधि योजना के तहत आवेदन कर रेहड़ी–पटरी चलाने वाले 10 हजार रुपये का गारंटी फ्री लोन प्राप्त कर सकते हैं। लोन की राशि एक साल में चुका देने पर दूसरी बार 20 हजार और तीसरी बार 50 हजार रुपये का ऋण लेकर कारोबार को और विस्तार दिया जा सकता है। पीएम स्वनिधि योजना में समयबद्ध भुगतान करने में ब्याज पर 07 प्रतिशत अनुदान भी मिलता है। यदि लोन देने वाले रेहड़ी–पटरी दुकानदार ने ऋण भुगतान मोड में किया तो उसे 1200 रुपये तक कैशबैक भी मिलता है।पीएम स्वनिधि योजना की सफलता को लेकर अकेले गोरखपुर में कई बार स्वनिधि महोत्सव का आयोजन हो चुका है। तीन बार महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद स्ट्रीट वेंडर्स का मनोबल बढ़ाने आए थे। महोत्सव में स्वनिधि लोन लेकर कारोबार को आगे बढ़ाने वाले रेहड़ी–पटरी दुकानदारों को उन्होंने सम्मानित भी किया गया था।

शिविर में दिया सम्पत्ति कर गृहकर, जलकर की जानकारी

समस्याओं का प्राथमिकता से होगा निस्तारण- ऋचा सिंह

बस्ती। सोमवार को नगर पंचायत भानपुर द्वारा सम्पत्ति कर को जमा करने, करों को लेकर लोगों की भ्रान्तियों को दूर करने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। सोनहा बाजार में मुख्यमार्ग पर कैम्प लगाकर आम जनमानस, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों आदि द्वारा सम्पत्तिकर की गणना, तथा गृहकर व जलकर के सम्बन्ध में जागरुक किया गया।अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने कर की गणना के सापेक्ष सम्पत्तिकर लागू करने व कुल कर का आधा गृहकर व जलकर होने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। बताया कि जलकर और जलमूल्य दो अलग व्यवस्था है। जब निकाय द्वारा पाईप सप्लाई से पानी दिया जायेगा तब जलमूल्य लागू किया जायेगा। गोष्ठी में उपस्थित लोगो द्वारा क्षेत्रफल की पुनः माप व पुनः मूल्यांकन का अनुरोध गया। कैम्प में कुल 17 लोगो द्वारा कर जमा किया गया। 31 मार्च 2026 तम कर जमा किये जाने पर लोगो को छूट भी दिया जायेगा। गोष्ठी में उपस्थित लोगो ने विभिन्न समस्याओं को रखा। अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने कहा कि चरणबद्ध ढंग से समस्याओं को निराकरण कराया जायेगा। कहा कि नगर पंचायत के माध्यम से विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को पारदर्शी बनाने के लिए जन सहभागिता बढ़ाई जा रही है। पेयजल, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सीवर जैसी समस्याओं का प्राथमिक निराकरण कराया जा रहा है जिससे नागरिकों को असुविधा न होने पाये।

रंजना सिंह सभासद मनोनीत

बस्ती। राज्यपाल ने नगर पंचायत रूधौली में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' की पत्नी पार्टी की सक्रिय नेता रंजना सिंह को सभासद नियुक्त किया है। रंजना सिंह ने कहा कि जो दायित्व उन्हें मिला है पूरी निष्ठा से उसका पालन करने के साथ ही जन समस्याओं के निदान हेतु प्रभावी पहल की जायेगी।रंजना सिंह को सभासद नियुक्त किये जाने पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल, कुंवर विक्रम सिंह, रूधौली भाजपा मण्डल अध्यक्ष सुमित सिंह सोनी, प्रदीप सिंह 'पिंकू', राम उग्रह जायसवाल, राकेश शर्मा, अजय मिश्र, विपिन पाण्डेय, प्रतीक सिंह, रजनीश सिंह, अंकित, सृजन, रूपम श्रीवास्तव, सुनीता सिंह, मौजूद रहे।

काली माता मंदिर पर एलईडी सोलर लाईट लगाने की मांगः सौंपा ज्ञापन

बस्ती। अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला महामंत्री अनिल कुमार के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम सभा चननी सियरोवास में काली माता मंदिर पर एलईडी सोलर लाईट लगवाया जाय ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम सभा चननी सियरोवास में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अन्तर्गत एल०ई०डी० सोलर लाईट कार्यदायी संस्था यू०पी० सिडको बस्ती का आवंटन हुआ है। गांव के ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र कुमार द्वारा अपने शुभचिन्तकों और अपने निजी आवास पर उसे लगवाया गया है। कब्रिस्तान में भी सोलर लाईट लगवाया गया है किन्तु हिन्दू देवी देवता के आस्था माता काली जी के मंदिर एवं शादी विवाह के अवसर पर उपस्थित होने वाले कुंआ व डीह बाबा के स्थान पर लाईट नहीं लगवाया गया। माता काली के मंदिर पर साप्ताहिक हनुमान चालीसा एवं अनेक आध्यात्मिक अनुष्ठान होता रहा है।

गोरखपुर में भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर RSS का विराट पथ संचलन 18 मार्च को

गोरखपुर। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर भारतीय नववर्ष के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरखपुर महानगर दक्षिणी द्वारा भव्य पथ संचलन का आयोजन किया जा रहा है। यह विराट संचलन पूर्ण गणवेश में शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगा।कार्यक्रम का शुभारंभ 18 मार्च 2026 को दोपहर 3.30 बजे महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोलघर परिसर से होगा।

बांग्लादेश क्रिकेट में भूचाल बीसीबी की कूटनीतिक विफलता पर सरकार करेगी एक्शन

बांग्लादेश द्वारा टी20 विश्व कप 2026 का बहिष्कार करने के बाद खेल मंत्रालय ने खेल कूटनीति की विफलता की जांच शुरू कर दी है। यह विवाद बीसीसीआई द्वारा मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने के निर्देश के बाद शुरू हुआ, जिसके कारण अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी जांच के दायरे में है। बांग्लादेश द्वारा 2026 टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने के फैसले पर आईसीसी ने कोई दंड नहीं दिया। लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कड़ी जांच हो सकती है। बीसीसीआई द्वारा केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 टीम से बाहर करने का निर्देश देने के बाद, बांग्लादेश ने आईसीसी को अपने इस फैसले की जानकारी दी और अंततः स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश की जगह ले ली। आईसीसी के साथ कई बैठकों के बावजूद, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) किसी सहमति पर नहीं पहुंच सका और उसने टी20 विश्व कप में भाग लेने से इनकार कर दिया। अब खबर है कि खेल मंत्री अमीनुल हक एक समिति का गठन करेंगे, जो इस बात की जांच करेगी कि बांग्लादेश ने टूर्नामेंट में भाग क्यों नहीं लिया। हक ने जोर देकर कहा कि समिति इस बात की जांच करेगी कि क्या यह निर्णय खेल कूटनीति की विफलता का परिणाम था। टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी भारत और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से की थी। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि हम विश्व कप में क्यों नहीं जा पाए। हमें यह समझना होगा कि हमारी खेल कूटनीति में कहां कमी रह गई। ईद के बाद हम इस विषय पर एक जांच समिति का गठन

करेंगे। हमें अपनी खेल कूटनीति को मजबूत करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में हम यह गलती न दोहराएं। हक ने यह भी दोहराया कि पिछले बीसीबी चुनावों में कथित अनियमितताओं, हेराफेरी और कदाचार की जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय समिति 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। खेल मंत्री ने आगे कहा कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, अंतिम निर्णय लेने से पहले वे आईसीसी से परामर्श करेंगे। बीसीबी ने सरकार को पहले ही चेतावनी दे दी थी कि वह उनके सिस्टम में दखल देना बंद करे। हक ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हमारी पिछली सरकार ने पिछले साल बीसीबी चुनावों में सीधा दखल दिया था। मैंने इस बारे में कई बार बात की है। ढाका क्लबों और जिलों से मिले आरोपों के बाद हमने एक जांच समिति का गठन किया है।

पाकिस्तान क्रिकेट में फिटनेश पर बवाल, फखर जमान ने तोड़ी चुप्पी, चोट के दावों पर दिया बड़ा बयान

पूर्व चयनकर्ता आकिब जावेद के आरोपों के बीच, फखर जमान ने अपनी फिटनेस पर चुप्पी तोड़ते हुए स्वीकार किया कि वह 50 ओवर के मैचों के लिए पूरी तरह फिट नहीं थे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 15 मार्च को फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही मौजूदा राष्ट्रीय टी20 कप में खेल रहे हैं, जिससे उनकी वर्तमान फिटनेस पर स्थिति साफ हो गई है।पाकिस्तान के चयनकर्ता आकिब जावेद ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा करके सबको चौंका दिया कि बाबर आजम और फखर जमान टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि चयन समिति को उनकी चोटों की जानकारी नहीं थी और उन्होंने पीसीबी से इस मामले की जांच कराने का अनुरोध भी किया। हालांकि, मंगलवार को राष्ट्रीय टी20 कप में बाएं हाथ के बल्लेबाज फखर जमान द्वारा शानदार कैच पकड़े जाने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने जावेद को ट्रोल किया।

फखर जमान फिलहाल टूर्नामेंट में एबटाबाद रीजन के लिए खेल रहे हैं और लाहौर रीजन व्हाइट्स के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में मिड–ऑन पर फील्डिंग करते हुए उन्होंने एक शानदार कैच पकड़ा। इसके तुरंत बाद, उनकी फील्डिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें कई लोगों ने दावा किया कि क्रिकेटर पूरी तरह से फिट हैं और उन पर चोटिल होने के बावजूद टी20 विश्व कप खेलने का गलत आरोप लगाया जा रहा है।

हालांकि, एक ट्वीट का जवाब देते हुए फखर ने स्वीकार किया कि वह चोटिल थे और 50

ओवर के मैच खेलने के लिए फिट नहीं थे। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने 15 मार्च को फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही राष्ट्रीय टी20 कप में भाग लिया था। फखर ने ट्वीट किया कि मैं 50 ओवर के मैच खेलने के लिए 100: फिट नहीं था। ऐसे में आकिब जावेद सही थे। मैं 15 तारीख को फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ये मैच खेल रहा हूं। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद, फखर जमान 26 मार्च से शुरू होने वाले पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी संस्करण में भी खेलेंगे। इससे पहले, वह आज पेशावर के इमरान खान क्रिकेट स्टेडियम में कराची रीजन व्हाइट्स के खिलाफ नेशनल टी20 कप के फाइनल में नजर आएंगे। लाहोर रीजन ब्लूज के खिलाफ अपने वापसी मैच में वह शून्य पर आउट हो गए थे और सेमीफाइनल में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, क्योंकि मैच का कोई नतीजा नहीं निकला था।

फाफ डु प्लेसी ने बताया केकेआर की जीत का फार्मूला,

फाफ डु प्लेसी ने आगामी आईपीएल में केकेआर की सफलता के लिए ईडन गार्डन्स में स्पिन–अनुकूल पिच बनाने की सलाह दी है, ताकि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने इन दोनों स्पिनरों को टीम का सबसे बड़ा हथियार बताते हुए कहा कि उनकी सफलता पर ही टीम का प्रदर्शन निर्भर करेगा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा है कि वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन टी20 विश्व कप में भले ही कुछ खास नहीं रहा हो लेकिन 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए यह भारतीय रहस्मयी स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। इस टूर्नामेंट से संन्यास लेने से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले डु प्लेसी ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच सुनील नारायण और चक्रवर्ती की गेंदबाजी के अनुकूल होनी चाहिए।

डु प्लेसी ने कहा, ''अगर मैं केकेआर टीम प्रबंधन का हिस्सा होता तो मैं ईडन गार्डन्स के मैदानकर्मियों से कहता कि पिच को स्पिन के अनुकूल बनाया जाए। केकेआर खुशकिस्मत है कि उसके पास चक्रवर्ती और नारायण जैसे दो शानदार गेंदबाज हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये दोनों इस समय टी20 क्रिकेट के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से हैं। वरुण और नारायण, दोनों का प्रदर्शन असरदार होना जरूरी है। अगर वे ऐसी पिचों पर खेलते हैं जहां वे अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पाते तो आप अपने इन दो सबसे बड़े हथियारों और अपनी सबसे बड़ी ताकत को खो देंगे।''

डु प्लेसी ने कहा, ''हां, वे किसी भी पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। लेकिन इस आईपीएल में केकेआर की सफलता के लिए, चक्रवर्ती और नारायण को अपना जलवा दिखाना होगा। पिच को इन दोनों खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर ही तैयार किया जाना चाहिए।'' टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के दौरान चक्रवर्ती का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने 14 विकेट लिए लेकिन उनका इकोनॉमी रेट नौ से अधिक का रहा।पिछले सत्र में केकेआर की टीम अंक तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर रही थी और अपने 14 मैच में से सिर्फ पांच जीत पाई थी। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली यह टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह मैच मुंबई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा।

पाकिस्तानी खिलाडी विवाद पर ललित मोदी की एंट्री, काब्या मारन को दी नसीहत

द हंड्रेड नीलामी में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को खरीदने पर हुए विवाद के बीच, भगोड़े ललित मोदी ने सनराइजर्स की मालिक काव्या मारन को छवि प्रबंधन में मदद की पेशकश की है। मोदी का यह गुप्त संदेश सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों की कड़ी आलोचना के बाद आया, जिससे क्रिकेट और राजनीति का यह टकराव और गहरा गया है।ललित मोदी ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की मालिक काव्या मारन को एक संदेश भेजा है, जो द हंड्रेड 2026 की नीलामी में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को खरीदने के बाद हो रही आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित ने एक गुप्त संदेश में काव्या की मदद की पेशकश की है। उन्होंने लिखा कि जब प्रशंसक पहले से ही नाराज हैं, तब एक पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 23.4 करोड़ रुपये खर्च करना? मुझे छवि प्रबंधन और साम्राज्य बनाने का अच्छा–खासा अनुभव है। मुझे कॉल करें। अबरार सनराइजर्स लीड्स के लिए खेलेंगे, जो एसआरएच की सहयोगी फ्रेंचाइजी है। वह नीलामी में 10वें सबसे महंगे खिलाड़ी थे।हालांकि किसी का नाम नहीं लिया गया, लेकिन रकम, पाकिस्तानी खिलाड़ी का जिक्र और पोस्ट का समय स्पष्ट रूप से बताते हैं कि ललित मोदी क्या कहना चाह रहे हैं। भारत में गंभीर आरोपों का सामना कर रहे मोदी ब्रिटेन में रह रहे हैं। ललित मोदी 2010 में कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और आईपीएल से जुड़े प्रॉक्सी स्वामित्व के आरोपों के बाद भारत से भाग गए थे। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया था कि उन्होंने 2009 में आईपीएल के प्रसारण अधिकारों के आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर किया था, जिसके बदले में उन्हें कथित तौर पर 125 करोड़ रुपये से अधिक की रिश्वत मिली

थी।इससे पहले, दिसंबर 2025 में, ललित मोदी ने भारतीय सरकार से माफी मांगी थी, जब एक वायरल वीडियो में उन्होंने खुद को और विजय माल्या को दो ष्सबसे बड़े भगोड़ेष बताया था – जो स्पष्ट रूप से भारत पर कटाक्ष प्रतीत होता था। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने अबरार को खरीदने के लिए एसआरएच की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि द हंड्रेड में खेलकर वह जो पैसा कमाएगा, वह अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैनिकों और नागरिकों की मौत में योगदान देगा। गावस्कर ने मिड–डे के लिए अपने कॉलम में लिखा कि आईपीएल में एक भारतीय फ्रेंचाइजी के मालिक द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ी को टीम में शामिल किए जाने पर मचे बवाल में कोई हैरानी की बात नहीं है।

कुलदीप यादव की सादगी ने जीता दिल

भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव के लखनऊ में आयोजित भव्य शादी के रिसेप्शन का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वे सीनियर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा और उनकी पत्नी रिवाबा के पैर छूकर आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत क्रिकेट और राजनीति जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में एक निजी समारोह में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी कर ली। मंगलवार को लखनऊ के द सेंट्रम में एक भव्य रिसेप्शन आयोजित किया गया, जिसमें क्रिकेट जगत और राजनीतिक हलकों की कई जानी–मानी हस्तियां

शामिल हुईं। इस समारोह के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिनमें प्रशंसकों को कई भावुक पल देखने को मिले। ऐसे ही एक वीडियो में दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और उनकी पत्नी रिवाबा नवविवाहित जोड़े को मंच पर आशीर्वाद देते हुए नजर आए। वायरल वीडियो में, जडेजा और रिवाबा सुरुचिपूर्ण ढंग से सजे–धजे नजर आ रहे हैं और वे दंपत्ति को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर रहे हैं। मंच पर पहुंचते ही कुलदीप उनके पैर छूते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। रिसेप्शन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कुलदीप के साथी खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सम कुलदीप, जिन्होंने भारत के लिए 17 टेस्ट, 120 वनडे और 54 टी20 मैच खेले हैं, वंशिका के साथ एक विंटेज रोल्स–रॉयस में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्होंने क्लासिक ब्लैक सूट पहना था, जबकि दुल्हन ने क्रीम रंग की साड़ी पहनी थी। अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और राज्य मंत्री ए. के. शर्मा शामिल थे। शास्त्रीय संगीत की मधुर धुनों से सजी इस शाम ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को एक सौहार्दपूर्ण और उत्सवपूर्ण वातावरण में एक साथ लाया।

एशियन गेम पर नजर, स्क्वाश खिलाड़ी रमित टंडन बोले- इंडियन ओपन में खेलने से बेहतर तैयारी कोई नहीं

एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे स्क्वाश खिलाड़ी रमित टंडन ने इंडियन ओपन को एक अहम अवसर बताया है, क्योंकि उनके अनुसार विदेशी यात्रा की थकान और जेट लैग से बचकर स्वदेश में खेलने से बेहतर कोई तैयारी नहीं हो सकती। स्क्वाश के दिग्गज खिलाड़ी रामित टंडन की नजरें इस साल सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी फॉर्म के शीर्ष पर होने के 'बड़े लक्ष्य' पर टिकी है लेकिन भारत का यह पूर्व नंबर एक खिलाड़ी अभी इंडियन ओपन में घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के अवसर का पूरा लुत्फ उठाना चाहता है। टंडन उभरती हुई महिला स्टार अनाहत सिंह के साथ बुधवार से यहां शुरू हो रहे जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में हिस्सा लेंगे। उनका मानना है

कि यह टूर्नामेंट भारतीय खिलाड़ियों को विदेश यात्रा नहीं करने के बावजूद खेलने का बेहतरीन मौका देता है। टंडन ने पीटीआई से कहा, ''यह बहुत शानदार है, खासकर ऐसे समय में जब यात्रा बहुत अधिक प्रभावित है। इससे आसान कुछ नहीं हो सकता कि आप बस एक घरेलू उड़ान लें और अपने ही घर के पास होने वाले टूर्नामेंट में खेलने पहुंच जाएं।'' उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद स्वदेश में खेलना हमेशा खास होता है। आप उन लोगों के सामने खेलते हैं जिनसे आप प्यार करते हैं और जिन्होंने आपकी खेल यात्रा में आपका साथ दिया है। एक भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के तौर पर मुझे ऐसा करने का मौका उतनी बार नहीं मिलता जितना मेरे साथियों को अमेरिका या ब्रिटेन में मिलता है इसलिए मैं हमेशा भारत लौटने का बेसब्री से इंतजार करता हूं। खासकर सीसीआई मेरे लिए बहुत खास रहा है।'' टंडन ने कहा कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर में यात्रा करने से शरीर पर असर पड़ता है जिसके बारे में अधिक बात नहीं होती। उन्होंने कहा, ''यात्रा, जिसके बारे में लोगों ने अधिक बात नहीं की है, वह सच में शरीर पर असर डालती है।'' टंडन ने कहा, ''आप प्रतियोगिताओं के लिए अमेरिका या ब्रिटेन जाने के लिए 12 घंटे (या) 14 घंटे की उड़ान लेते हैं जबकि अमेरिका या ब्रिटेन में रहने वाले खिलाड़ियों के लिए यह काफी आसान होता है, है ना?'' उन्होंने कहा, ''तो एक भारतीय के तौर पर अगर आप साल में लगभग 12 बार यात्रा कर रहे हैं तो आप उतनी ही बार जेट लैग (समय के अंतर से होने वाली थकान) का भी सामना कर रहे होते हैं।

˜फीफा वर्ड कप पर सियासी बवाल, यूएएसए में सुरक्षा को लेकर ईरान ने उठाए गंभीर सवाल।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और सुरक्षा कारणों के चलते ईरान ने अपने विश्व कप मुकाबलों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था से बातचीत शुरू कर दी है। ईरानी फुटबॉल महासंघ के प्रमुख ने कहा है कि टीम की सुरक्षा सर्वोपरि है और बिना ठोस आश्वासन के वे अपनी टीम को अमेरिका नहीं भेजेंगे। ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अपने आगामी विश्व कप मुकाबलों को लेकर असमंजस की स्थिति में है। बता दें कि ईरान फुटबॉल महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था के साथ बातचीत शुरू कर दी है, ताकि उनके मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में कराया जा सके। गौरतलब है कि इस मांग के पीछे पश्चिम एशिया में जारी तनाव को बड़ी वजह बताया जा रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते विवाद और क्षेत्र में चल रहे संघर्ष ने सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार मेक्सिको स्थित ईरानी दूतावास ने भी इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। वहीं ईरान फुटबॉल महासंघ के प्रमुख मेहदी

ताज ने साफ कहा है कि अगर सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती तो टीम अमेरिका यात्रा नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब अमेरिकी नेतृत्व खुद सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा, तो ऐसी स्थिति में टीम का वहां जाना संभव नहीं माना जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान को विश्व कप के समूह चरण में न्यूजीलैंड, मिस्र और बेल्जियम जैसी टीमों के साथ रखा गया है। शुरुआती मुकाबले अमेरिका के लॉस एंजेलिस में तय थे, जबकि एक अन्य मैच सिएटल में प्रस्तावित था। मौजूद जानकारी के अनुसार टीम का बेस कैंप भी अमेरिका के एरिजोना राज्य में रखा गया था, लेकिन मौजूदा हालात के चलते इसमें बदलाव की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने विवाद को और बढ़ा दिया। उन्होंने कहा था कि ईरान टीम का स्वागत है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से उन्हें यात्रा नहीं करनी चाहिए। इस बयान के बाद ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई और साफ कहा गया कि किसी भी टीम को विश्व कप से बाहर नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान ने भी जवाबी कदम उठाए थे, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ऐसे हालात में खेल और राजनीति के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार विश्व कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में तय कार्यक्रम के अनुसार होना है, लेकिन सुरक्षा से जुड़े मुद्दे अब चर्चा के केंद्र में आ गए हैं।

इरान की फूटबाल टीम ने फिर बदला फैसला, आस्ट्रेलिया छोड़कर एक और खिलाड़ी की घर वापसी

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया में मानवीय वीजा पर रुकी ईरान की महिला फुटबॉल टीम से एक और खिलाड़ी लौट आया है, जिसके बाद अब वहां केवल दो खिलाड़ी शेष हैं। यह घटनाक्रम टीम के राष्ट्रीय गान न गाने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर उठी अंतरराष्ट्रीय चिंताओं के बीच हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया में रुकी ईरान बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों से जुड़े विभाग के अनुसार संबंधित खिलाड़ी ने रविवार देर रात देश से प्रस्थान किया है। इससे पहले टीम के दो अन्य खिलाड़ी और सहयोगी दल का एक सदस्य शनिवार को सिडनी से कुआलालंपुर के लिए रवाना हो चुके थे।

गौरतलब है कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम पिछले महीने एशियाई महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। लेकिन प्रतियोगिता के दौरान ही पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति पैदा हो गई, जिससे पूरी टीम अचानक चर्चा में आ गई है।मौजूद जानकारी के अनुसार टीम में कुल छब्बीस सदस्य शामिल थे। जब बाकी दल दस मार्च को सिडनी से मलेशिया के लिए रवाना हुआ तो उस समय छह खिलाड़ियों और सहयोगी दल के एक सदस्य ने ऑस्ट्रेलिया में ही रुकने के लिए मानवीय वीजा स्वीकार कर लिया था।हालांकि बाद में इनमें से एक खिलाड़ी ने अपना फैसला बदल दिया और वह अपने साथियों के साथ लौट गई हैं। अब इसके बाद उस समूह में से केवल दो खिलाड़ी ही ऑस्ट्रेलिया में मौजूद हैं।गौरतलब है कि ईरान के सरकारी समाचार माध्यमों में यह बताया गया कि जो खिलाड़ी पहले लौट चुके हैं वे अपने साथियों से मिल चुके हैं और अपने परिवार तथा देश के पास वापस जा रहे हैं।इस पूरे मामले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी ध्यान खींचा है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता के पहले मुकाबले से पहले ईरान के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय गान नहीं गाया था, जिसके बाद कई लोगों ने यह आशंका जताई थी कि देश लौटने पर उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता हो सकती है।इसको लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार पर भी दबाव बना था कि वह इन खिलाड़ियों की मदद करे। ईरानी मूल के कई समूहों के साथ–साथ कुछ अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हस्तियों ने भी खिलाड़ियों को सहायता देने की अपील की थी। मौजूद जानकारी के अनुसार फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ऑस्ट्रेलिया में बचे हुए दो खिलाड़ी आगे क्या निर्णय लेते हैं।

सलमान खान की फिल्म बैटल आफ गलवान का बदला नाम, अब मातृभूमि के टाइटल से होगी रिलीज

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. फिलहाल इस फिल्म के टाइटल को लेकर बड़ा अपडेट आया है. दरअसल बैटल ऑफ गलवान का नाम बदल दिया गया है और मेकर्स ने सोमवार को इसका नया टाइटल भी अनाउंस कर दिया है. जानते है सलमान खान की ये मच अवेटेड वॉर ड्रामा किस नए टाइटल से सिनेमाघरों में रिलीज होगी?सलमान खान फिल्म्स ने अपनी सबसे चर्चित फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नया नाम ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है. ये फिल्म मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस के नए टाइटल से रिलीज की जाएगी. मेकर्स ने एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर जारी किया है, जो न सिर्फ फिल्म के नाम में बदलाव को दिखाता है, बल्कि एक ऐसा मैसेज भी देता है जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है. फिल्मों के ओरिजनल नाम को लेकर हुए विवादों को देखते हुए मेकर्स ने सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल बदलकर मातृभूमि रख दिया है. माना जा रहा है कि यह बदलाव ओरिजनल टाइटल को लेकर उठे विवाद को शांत करने के लिए किया गया है. मेकर्स ने ये कदम इस वजह से भी उठाया है ताकि इस फिल्म की रिलीज में कोई रुकावट ना आए.इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है मे वॉर रेस्ट इन पीस इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई–झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है. जहाँ यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से इंस्पाय है, वहीं इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है.।

केडी - द डेविल के नए गाने ने मचाया धमाल, सरके चुनर तेरी सरके में नोरा फतेही और संजय दत्त ने लगाई आग

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म केडीरू द डेविल का नया गाना सरके चुनर तेरी सरके रिलीज हो चुका है, जिसने आते ही सोशल मीडिया में आग लगा दी है. इस गाने में नोरा फतेही और संजय दत्त की जोड़ी जबरदस्त अंदाज में नजर आ रही है. हाई–एनर्जी म्यूजिक और शानदार डांस मूव्स ने इसे दर्शकों का पसंदीदा बना दिया है. रिलीज के कुछ ही समय बाद यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा और फैंस इसे इस साल के बड़े पार्टी सॉन्ग में से एक बता रहे हैं.गाने में नोरा फतेही अपने दमदार डांस और स्टाइल से स्क्रीन पर पूरी तरह छा जाती हैं. उनके सिग्नेचर मूव्स और एक्सप्रेशन इस गाने को और भी खास बना देते हैं. वहीं संजय दत्त भी गाने में अलग अंदाज में नजर आते हैं और डांस फ्लोर पर अपनी मौजूदगी से गाने की एनर्जी हाई कर देते हैं. इस गाने का म्यूजिक अर्जुन जन्या ने तैयार किया है, जिसके बीट्स दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर देते हैं. वहीं गाने को सिंगर मंगली ने आवाज दी है और फिल्म का निर्देशन प्रेम ने किया हैं.बेंगलुरु के एएमबी सिनेमाज के एक इवेंट में इस गाने को लॉन्च किया गया है, जहां नोरा फतेही ने बताया कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए खास अनुभव रहा है. जब उन्होंने फिल्म का ट्रेलर देखा तो समझ आया कि निर्देशक प्रेम को शोमैन क्यों कहते है. वो इस फिल्म से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू कर रही हैं, जो उनके लिए गर्व की बात है. दर्शकों के लिए इस गाने को कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है. बता दें, फिल्म केडीरू द डेविल को वेंकट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म में ध्रुवा सरजा संजय दत्त, नोरा फतेही, शिल्पा शेट्टी, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीशमा ननैया जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आयेंगे. बड़े बजट और दमदार एक्शन के साथ बनाई गई यह फिल्म दर्शकों को एक नया अनुभव देने की कोशिश कर रही है. फिल्म के नए गाने को सुन फैन की एक्साइटमेंट भी बहुत बढ़ गई है और सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.।

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीजर रिलीज

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीजर अब रिलीज हो चुका हैय गीता फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स इस फिल्म को इस गर्मी में रिलीज कर रहे हैं। दीवाना में हर्षित रेड्डी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि स्मेहा मणिमेगलाई तेलुगु दर्शकों के सामने नायिका के रूप में नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्माण वासुदेव कोप्पिनेनी और श्रीदेवी कार्यमपुडी अरहा मीडिया और वी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं। निर्देशक श्रीकांत संगीशेट्टी फिल्म को एक खूबसूरत प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। दीवाना इस गर्मी में भव्य सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।दीवाना का टीजर आज रिलीज हुआ। टीजर देखकर मणिरत्नम शैली की रोमांटिक फिल्म का एहसास होता है। टीजर से पता चलता है कि हीरो एक शादी समारोह में नायिका को देखते ही पहली नजर में उससे प्यार कर बैठता है। उस पल से, वह उसकी पूरी दुनिया बन जाती है। हालाँकि उसके दोस्त उसे चेतावनी देते हैं कि उसके परिवार के साथ जुड़ना खतरनाक हो सकता है, लेकिन वह उनकी बात सुनने से इनकार कर देता है। क्या लड़की उसके गहरे प्यार का जवाब देती है या नहीं, यह दर्शकों को सिनेमाघरों में ही पता चलेगाटीजर में प्रेमा इदि प्रेमा गुंडेलोना सादिरेपेडे प्रेमा... गाने का बैकग्राउंड म्यूजिक दिल को छू लेने वाला है। टीजर के अंत में, ये लड़कियाँ जितनी खूबसूरत होती हैं, उतना ही ज्यादा तुम्हें तकलीफ देती हैं वाला संवाद उत्सुकता जगाता है। कुल मिलाकर, टीजर से संकेत मिलता है कि दीवाना एक गहन और खूबसूरत संगीतमय प्रेम कहानी प्रस्तुत करेगा।टीजर ने जबरदस्त प्रभाव डाला है। टीजर खत्म होने के बाद भी गाना मन में गूंजता रहता है। दृश्य बेहद यथार्थवादी और खूबसूरत लगते हैं। मुख्य जोड़ी पर्दे पर बिल्कुल नई और आकर्षक लग रही है, और नई नायिका स्मेहा मणिमेगलाई बेहद खूबसूरत और प्यारी लग रही है।

धुरंधर 2 की आंधी में उड़ी शाहरुख खान की जवान, एडवांस बुकिंग में आया तूफान

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर 2रू द रिवेंज का इंतजार अब खत्म होने वाला है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ 3 दिन बाकी रह गए हैं और उसके बाद बॉक्स ऑफिस पर नया धमाका देखने को मिलेगा। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अपने एडवांस बुकिंग में ही काफी कोहराम मचाकर रखा है। इसने रिलीज से पहले ही शाहरुख खान की फिल्म जवान को पटखनी दे दी है।रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापार आंकड़ों से पता चलता है कि धुरंधर 2 ने अपनी एडवांस बुकिंग में लगभग 32 करोड़ का कारोबार कर लिया है। वहीं, शाहरुख और एटली की फिल्म जवान ने रिलीज से पहले लगभग 28.75 करोड़ रुपये की एडवांस बिक्री की थी। इस तरह धुरंधर 2 ने रिलीज से पहले ही शानदार कलेक्शन करते हुए फैंस और व्यापार विशेषज्ञों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। ओपनिंग डे पर जबरदस्त धमाल मचने की पूरी उम्मीद है। धुरंधर पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब इसका सीक्वल धुरंधर 2 आ रहा है जिसे लेकर लोगों में उत्साह दोगुना देखा जा रहा है। उम्मीद

है कि यह फिल्म बॉलीवुड के सभी ओपनिंग डे और वीकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसमें रणवीर के अलावा, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी दोबारा नजर आएंगे।

फिल्म दालिंब से जारी हुई जितेंद्र कुमार की पहली झलक, पहचानना हुआ मुश्किल

पंचायत सीरीज से लोगों का दिल जीतने वाले जितेंद्र कुमार एक नए अवतार को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनका यह अवतार फिल्म दालिंब से सामने आया है जिसे जी5 हिंदी ने आधिकारिक तौर पर जारी किया है। यह एक थ्रिलर–ड्रामा फिल्म है जो जी5 और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पहले सहयोग के तौर पर बनाई गई है। फिल्म की कहानी और निर्देशन की जिम्मेदारी प्रिया एवेन ने उठाई है, जबकि संवाद वरद भटनागर ने लिखे हैं।

फिल्म दालिंब का ऐलान जितेंद्र के पोस्टर रिलीज के साथ किया गया है। अभिनेता के लुक की बात करें तो उनके चेहरे को मेकअप से ढ़का गया है। यह तस्वीर किसी कथकली नर्तक जैसी प्रतीत होती है। इसे देखकर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा के कुछ दृश्य याद आ जाएंगे। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, रंगों के बीच एक ऐसा रहस्य...जो कभी दिखता नहीं। यह होली, यह रंग उत्सव का प्रतीक नहीं है... यह एक चेतावनी है। दालिंब मुंबई के उपनगरीय मध्यमवर्गीय परिवेश की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म होगी, जो दर्शकों को गहन और विचलित करने वाले सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। जितेंद्र इसमें सूरज नाम के व्यक्ति का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे। उनके अलावा, अभिनेत्री प्रिया बापट, क्षितिश दते, कविन दवे, साई प्रसाद, हरीश कुलकर्णी और सागर यादव अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म जी5 हिंदी पर रिलीज होगी, लेकिन इसकी तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है।

नौकरी छोड़ एक्ट्रेस बनीं अनन्या नागल्ला, पवन कल्याण संग इस फिल्म से बदली किस्मत

साउथ एक्ट्रेस अनन्या नागल्ला पिछले कुछ सालों से इंडस्ट्री में खुद की पहचान बना रही है. तेलुगु फिल्मों में काम करने वाली अनन्या ने बहुत कम समय में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा है. 2019 में फिल्म मल्लेशम से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अनन्या ने धीरे–धीरे इंडस्ट्री में मजबूत जगह बनाई है. उनकी सादगी, नैचुरल एक्टिंग और मेहनत की वजह से उन्हें दर्शकों से बहुत तारीफ मिली. इसी बीच आइए उनके बारे में विस्तार से जानते हैं.

अनन्या नागल्ला का जन्म तेलंगाना के खम्मम जिले के सतुपल्ली में एक तेलुगु परिवार में हुआ था. उनके पिता वेंकटेश्वर राव एक बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम विष्णु प्रिया है. बचपन से ही अनन्या पढ़ाई में अच्छी थी और परिवार का माहौल भी काफी सपोर्टिव रहा. अनन्या ने हैदराबाद के इब्राहिमपट्टनम स्थित राजा महेंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बीटेक की पढ़ाई पूरी की. पढ़ाई खत्म करने के बाद उन्होंने आईटी कंपनी इन्फोसिस में नौकरी शुरू की. वहां वो टेस्ट एनालिस्ट के रूप में काम करती थी और बाद में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनी.

नौकरी के समय ही अनन्या को 2017 में एक शॉर्ट फिल्म शादी में काम करने का मौका मिला. इसके बाद उन्होंने हैदराबाद के मणिकोंडा इलाके में एक एक्टिंग स्कूल जॉइन किया और धीरे–धीरे फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने की तैयारी शुरू कर दी.

कई ऑडिशन देने के बाद अनन्या को 2019 की बायोपिक फिल्म मल्लेशम में काम करने का मौका मिला. इस फिल्म में उन्होंने पद्मा नाम का किरदार निभाया, जो दर्शकों को पसंद आया था. इस रोल के लिए उन्होंने अपनी नौकरी से एक महीने की छुट्टी ली थी.

2021 में अनन्या नागल्ला को पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म वकील साब में काम करने का मौका मिला. यह फिल्म हिंदी फिल्म पिंक की रीमेक थी. फिल्म में अनन्या ने दिव्या नायक का किरदार निभाया था. इस रोल के बाद उन्हें पूरे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहचान मिलने लगी.

अनन्या ने 2021 में साइंस–फिक्शन ड्रामा फिल्म प्ले बैक में भी काम किया. इसके अलावा 2024 में आई फिल्म तंत्र में उन्होंने लीड रोल निभाया. इस फिल्म में उनके कॉन्फिडेंस और स्क्रीन प्रेजेंस की भी काफी चर्चा हुई.

गर्मियों के दौरान त्वचा के लिए फायदेमंद हैं एलोवेरा का इस्तेमाल, जानिए कैसे

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जिसकी जेल जैसी सामग्री में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकते हैं, खासतौर से गर्मियों में जब त्वचा को सूरज की किरणों और पसीने का सामना करना पड़ता है। आइए आज हम आपको एलोवेरा के इस्तेमाल से जुड़े कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जो आपकी त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने समेत कई अन्य लाभ दे सकते हैं।एलोवेरा से बनाएं फेस मिस्ट

एलोवेरा से बना फेस मिस्ट त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एलोवेरा जेल को पानी के साथ मिलाकर एक स्प्रे बोतल में डालें, फिर इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। यह तरीका खासतौर से धूप में निकलने के बाद बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और उसे नमी से भरपूर रखता है। यह आपकी त्वचा को ताजगी का एहसास दिलाएगा।बादाम के तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण लगाएं

बादाम का तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण त्वचा को भरपूर नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए थोड़े से एलोवेरा जेल में बादाम का तेल मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे और शरीर पर लगाएं। यह मिश्रण आपकी त्वचा को मुलायम बनाएगा और उसे गहराई से पोषण देगा। इसके

अलावा यह त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचा सकता है। यह तरीका आपकी त्वचा को चमकदार बनाएगा।

धूप की जलन से राहत दिलाने में है कारगरअगर आपको धूप से जलन हो गई है तो एलोवेरा जेल लगाना फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और जलन को कम करता है। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके प्रभावित जगह पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। यह तरीका आपकी त्वचा को आराम देगा और उसे जल्दी ठीक करने में मदद करेगा। इससे त्वचा को आराम मिलेगा।एलोवेरा से बनाएं स्क्रबएलोवेरा स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद कर सकता है। इसके लिए चीनी या नमक को एलोवेरा जेल में मिलाकर स्क्रब तैयार करें, फिर इसे अपने चेहरे और हाथ–पैरों पर हल्के हाथों से मलें, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब मृत कोशिकाओं को हटाने, त्वचा को साफ और ताजगी देने में मदद करेगा। इसके अलावा यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में भी सहायक है।एलोवेरा फेस मास्क लगाएंफेस मास्क त्वचा को पोषण देने के लिए बहुत अच्छा तरीका हो सकता है।

मौनी राय ने व्हाइट साड़ी में ढाया कहर, बैकलेस ब्लाउज पहन दिए कातिलाना पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय फिल्मों से ज्यादा अपने लुक्स को लेकर सुर्खिंया बटोरटी नजर आती हैं. एक्ट्रेस आए दिन अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती हैं हाल ही में उन्होंने साड़ी में अपनी कुछ शानदार फोटोज शेयर की हैं.मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं.

हाल ही एक्ट्रेस अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान खींचा है. शेयर की गई फोटोज में एक्ट्रेस ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं. उनका ये लुक काफी एलिगेंट गल रहा है.साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने पिंक एंड गोल्डन कॉम्बिनेशन का बैकलेस ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में चार चांद लग रहा है.एक्ट्रेस ने गोल्डन झुमके और बिंदी लगाकर अपने इस लुक को कंप्लीट किया है. उनका ये अंदाज देखने लायक है.एक्ट्रेस ने मेकअप को काफी सटल रखा है. उन्होंने स्मोकी आई लुक और लाइट शेड लिपस्टिक चूज की. खुले बालों में बला की हसीन दिख रही हैंबैकलेस ब्लाउज पहन कर एक्ट्रेस ने जमकर कातिलाना पोज दिए. उनकी इन अदाओं पर फैंस फिदा हो गए हैं कुछ फोटोज में एक्ट्रेस कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट करती नजर आई. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है.

द केरल स्टोरी 2 ने तीसरे सडे मचा दिया गदर, धुआंधार छापे नोट

द केरल स्टोरी 2य में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. काफी विवादों और काफी कानूनी पचड़े में फंसने के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है.. यहां तक कि अपने तीसरे वीकेंड पर भी ये फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर छाई रही. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे कितना कारोबार किया है?द केरल स्टोरी 2य को क्रिटिक्स से मिले जुले रिव्यू मिले थे लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही और इसी के साथ ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है. इसने जहां पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था तो वहीं दूसरे वीकेंड में इस फिल्म की कमाई 17.07 करोड़ रुपये रही. इसके बाद तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तीसरे शनिवार, यानी 16वें दिन अच्छी बढ़त हासिल करते हुए इस फिल्म का कलेक्शन 2.75 करोड़ रुपये रहा. इस बढ़त की बदौलत, फिल्म ने 50त्न रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट का मील का पत्थर पार कर लिया, और ऐसा करने वाली यह 2026 की पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई हैं

अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2य ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे को 2.78 करोड़ की कमाई कर ली. इसी के साथ इस फिल्म का 17 दिनों का टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं द केरल स्टोरी 2य की ग्रॉस कमाई 52.04 करोड़ रुपये हो गई है.

द केरल स्टोरी 2य बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर रही है. रिलीज के तीसरे संडे को इसने बॉक्स ऑफिस ही लूट लिया. इसका टोटल कलेक्शन अब 47.38 करोड़ हो चुका है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए उम्मीद है कि ये तीसरे मंडे या तीसरे मंगलवार को 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी.

गर्मियों में बनाकर पिएं ये 5 नींबू के पेय, घर में सभी को आएंगे पसंद

गर्मियों में नींबू का पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह पेट को ठंडक देने के साथ–साथ शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू के पानी से कई अन्य स्वादिष्ट पेय भी बनाए जा सकते हैं? आइए आज हम आपको नींबू से बनाए जाने वाले पांच ऐसे पेय की रेसिपी बताते हैं, जो गर्मियों में आपके दिन को तरोताजा कर सकते हैं।नींबू की चाय नींबू की चाय एक हल्का और ताजगी भरा विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें चायपत्ती डालें, फिर इसमें आधा नींबू निचोड़ें और थोड़ा शहद मिलाएं। इसे 5–7 मिनट तक पकने दें। अब इसे छानकर गिलास में डालें और ठंडा करने के लिए ठंडा स्थान पर रखें। आप चाहें तो इसमें पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं। यह पेय आपको दिनभर तरोताजा रखेगा और आपकी प्यास भी बुझाएगा।नींबू और पुदीने का शरबतनींबू और पुदीने का शरबत एक बेहतरीन पेय है, जो आपको गर्मियों के दौरान ठंडक प्रदान कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नींबू का रस निकालें और उसमें पुदीने की पत्तियां डालें, फिर इसमें चीनी और पानी मिलाकर अच्छे से हिलाएं। इस मिश्रण को कुछ देर ठंडा स्थान पर रखें ताकि यह ठंडा हो जाए। अब इसे गिलास में डालकर ठंडा–ठंडा परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक–शील कुमार शुक्ला सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।